▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 29 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 21-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं : जूली

6 कश्मीर पर अमेरिका का बदलता रुख

7 फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं : कियारा आडवाणी

फर्स्ट टेक

चीन की कम्पनी 'एवरग्रांडे' के संस्थापक को उम्रकैद की सजा

हांगकांग/एपी। चीन की संकटग्रस्त रीयल एस्टेट कंपनी 'एवरग्रांडे' के संस्थापक हुई का यान को बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही उनकी कंपनियों पर दो अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। दक्षिणी चीन के शेनजेन शहर की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को यह फैसला सुनाया। वर्ष 2020 में जब चीनी अधिकारियों ने रियल एस्टेट क्षेत्र में अत्यधिक कर्ज लेने पर रोक लगाई, तब एवरग्रांडे कंपनी पर 300 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की देनदारियां थीं और वह कंगाल हो गई थी। इस फैसले को एवरग्रांडे मामले में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। शेनजेन शहर की एक अदालत ने 67 वर्षीय हुई (जिन्हें शू जियायिन भी कहा जाता है) और उनकी कंपनी 'एवरग्रांडे' को बहुत बड़े आर्थिक घोटाले का दोषी पाया है।

अमेरिकी राजदूत पहली लद्दाख यात्रा पर पहुंचे

लेह/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने लद्दाख की अपनी पहली यात्रा के दौरान बृहस्पतिवार को संगम में जंस्कार और सिंधु नदियों के संगम स्थल पर रिवर राफ्टिंग की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गोर के लद्दाख दौरे का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश के अनूठे प्राकृतिक परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करना था। अमेरिकी राजदूत बुधवार को श्रीनगर पहुंचे थे जहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से उनके आवास पर मुलाकात की। संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान गोर ने जम्मू कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की।

'समाधान समारोह' यह सुनिश्चित करने का प्रयास कि दोनों पक्षों को लगे कि उनकी जीत हुई : सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की 'समाधान समारोह' पहल का उद्देश्य लंबित मामलों का मध्यस्थता के जरिए इस तरह समाधान करना है कि दोनों पक्षों को यह महसूस हो कि उनकी जीत हुई है। उच्चतम न्यायालय के 'समाधान समारोह' के तहत मामलों के लंबित रहने की समस्या से निपटने के लिए मध्यस्थता और विवादों के सहमति से समाधान के अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पहल के जरिए पक्षकारों को आपसी सहमति से स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने में मदद की जाती है।

21-07-2026 सूर्यास्त 6:37 बजे | 22-08-2026 सूर्योदय 6:10 बजे

BSE	NSE
77,537.72 (+628.04)	24,231.85 (+153.55)

सोना	चांदी
16,404 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	245,266 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाहिल लोगों

ये लाल किला उड़वा देंगे,
हैं कौन लोग कुछ बोलो तो।
संसद तक पर हमला करते,
हैं क्या मकसद यह खोलो तो।
आखिर किसका यह देश कहो,
कथनी करनी को तोलो तो।
जाहिल लोगों कुछ पल को ही,
अपनी औकात टटोलो तो।

भारत-जापान ने समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए किया समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सैन्य सहयोग में तालमेल बढ़ाने का संकल्प लिया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके जापानी समकक्ष शिंजिरो कोइजुमी के बीच हुई वार्ता में दोनों नेताओं ने नौवहन और हवाई मार्गों की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा को प्रभावित करने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई तथा बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया।

दोनों देशों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि राजनाथ और कोइजुमी ने मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थापना के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बयान में कहा गया, दोनों मंत्रियों ने बढ़ते वैश्विक तनाव के दौर में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा माहौल के आकलन को साझा करने के महत्व पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि वे नौवहन और हवाई मार्गों की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई तथा बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं। यह टिप्पणी चीन की ओर संकेत के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि भारत और जापान दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर में बीजिंग की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंतित हैं।

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन' (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा उपलब्ध कराएगा। इस समझौते के तहत जापानी समुद्री आत्मरक्षा बल और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग को मजबूत किया जाएगा। इसमें समुद्री क्षेत्र की जागरुकता से जुड़ी सूचनाओं का आदान-प्रदान और खोज एवं बचाव अभियान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना शामिल है। राजनाथ और कोइजुमी ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को ठोस रूप देने के लिए तेजी से कदम उठाने पर सहमति जताई।

बचाव

उत्तराखंड के धारचूला में तावाघाट के पास कुलागाड पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद भारतीय सेना के कुमाऊं स्काउट्स के जवानों ने बचाव अभियान चलाया और फंसे हुए 300 से अधिक स्थानीय लोगों व पर्यटकों की मदद की।

'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का कांग्रेस का फैसला 'राष्ट्रविरोधी' : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> देशवासियों से यह अपील है कि कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फ़ैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे।

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का पार्टी का फैसला 'राष्ट्र-विरोधी' है तथा इसका मकसद कानून की खुली अवहेलना कर ''वोट बैंक'' के लिए तुष्टीकरण करना है। शाह ने राष्ट्रगीत को पूरा गाने के बजाय केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के फैसले का उल्लेख करते हुए देश के विभाजन के इतिहास का जिक्र किया और कहा कि 'वंदे मातरज्ञ' के टुकड़े करने के कारण देश को इसके परिणाम भुगतने पड़े।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस कार्यसमिति ने 'वंदे मातरम' के पूर्ण गान की जगह केवल दो अंतरे गाने का जो फैसला किया है, वह न केवल देश विरोधी है बल्कि संसद के बनाए कानून की खुली अवहेलना भी है।'' शाह ने एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस ने ही 1937 में तुष्टीकरण के लिए 'वंदे मातरम' के दो टुकड़े किए। वहीं से दो-राष्ट्र सिद्धांत को ताकत मिली और देश का विभाजन हुआ।' उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष पर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी (के नेतृत्व वाली) सरकार ने यह ऐतिहासिक गलती सुधारी और पूर्ण गान को कानूनी स्वरूप दिया लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस फिर उसी वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण के रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' के टुकड़े करने की गलती एक बार हो चुकी है और देश उसके परिणाम भुगत चुका है। उन्होंने कहा, ''देशवासियों से यह अपील है कि कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें।'' कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फ़ैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे।

महात्मा गांधी की पांडुलिपि रिकॉर्ड 16.2 करोड़ रु में बिकी

नई दिल्ली/भाषा। महात्मा गांधी के अपने करीबी सहयोगी और स्वतंत्रता सेनानी आनंद टी. हिंगोरानी को लिखे गए 688 ऑटोग्राफ वाले विचारों (जिनमें सत्य, अहिंसा और सेवा जैसे विषय शामिल थे) के संग्रह को सैफ्रनआर्ट की नीलामी में 16.20 करोड़ रुपये में बेचा गया। यह नीलामी में बिके किसी भारतीय ऐतिहासिक दस्तावेज के लिए एक विश्व रिकॉर्ड है। हिंगोरानी की पत्नी विद्या के निधन के बाद दो साल तक मार्गदर्शन, चिंतन और हौसला बढ़ाने वाले रोजाना हाथ से लिखे संदेशों को बाद में अ थॉट फॉर द डे नाम की किताब में संकलित किया गया। ये संदेश दोनों के बीच हुए पत्राचार के सबसे निजी और सुरक्षित बचे हुए दस्तावेजों में से एक हैं।

'गांधी : फ्रॉम द कलेक्शन ऑफ आनंद टी. हिंगोरानी' नाम की नीलामी में गांधी से जुड़ी चिट्ठियों, पांडुलिपियों, तस्वीरों और निजी चीजों के 86 खंड शामिल थे। नीलाम करने वाली संस्था के अनुसार, इन पांडुलिपि में सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह (सांसारिक वस्तुओं या धन के प्रति मोह न रखना), निर्भयता, धार्मिक समानता, अस्पृश्यता निवारण, प्रार्थना, रामनाम, सेवा, श्रम, भूख, कर्तव्य, स्वराज, नैतिक जिम्मेदारी, मौन, अंतरात्मा की आवाज, अनासक्ति, आत्म-साक्षात्कार और ईश्वर की खोज जैसे विषयों पर चर्चा की गई है। यह संग्रह न सिर्फ अहम राजनीतिक घटनाओं को दर्ज करता है, बल्कि गांधीजी के जीवन के बेहद निजी पहलुओं को भी सामने लाता है। इसमें भारत की आजादी की लड़ाई के जन-नेता और उस निजी व्यक्ति-जो अपने सबसे करीबी लोगों को सलाह, सांत्वना, अनुशासन और स्नेह देते थे-दोनों की झलक मिलती है। सैफ्रनआर्ट के सहसंस्थापक दिनेश वाजीरानी ने एक बयान में कहा, 'खंड 80' यानी गांधीजी द्वारा हिंगोरानी के लिए लिखे गए विचारों की एक शृंखला को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इसके दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व को और पुख्ता करती है। ये विचार एक साथ मिलकर इस बात की अनूठी मिसाल पेश करते हैं कि गांधीजी ने उन सिद्धांतों को अपने जीवन में कैसे उतारा जिनका वे सार्वजनिक रूप से समर्थन करते थे; यही बात इसे उनके विचारों और कार्यों का एक बेहद बेशकीमती रिकॉर्ड बनाती है।

रूस के मिसाइल हमले में कीव में 14 लोगों की मौत, 33 अन्य घायल

कीव/एपी। रूस ने रातभर यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के इलाकों में कई मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि कई घंटे चले इस हवाई हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है। रूस की सेना ने हाल के महीनों में कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले तेज कर दिए हैं। इसका एक मुख्य कारण यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित पैट्रियाट हवाई रक्षा मिसाइलों की लगातार हो रही कमी है। यूक्रेन के पास यह एकमात्र ऐसा हथियार है, जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने विभिन्न देशों से और अधिक पैट्रियाट मिसाइलें भेजने की अपील की है। हालांकि, ईरान युद्ध और रूस के खिलाफ यूक्रेन की चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध के कारण इन मिसाइलों के अंतरराष्ट्रीय भंडार में काफी कमी आई है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रातभर जारी रहे रूस के हमले में क्रूज मिसाइलों के साथ तेज गति से उड़ने वाले ड्रोन भी शामिल थे, जिससे वायु रक्षा प्रणाली पर दबाव और बढ़ गया। वायुसेना के अनुसार, कीव हमले का मुख्य निशाना था।

मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति चुने गए

ढाका/भाषा। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बृहस्पतिवार को देश के नये राष्ट्रपति चुने गए। देश में इस पद के लिए 35 साल में पहली बार हुए मुकाबले में 78 वर्षीय आलमगीर ने 255 मत प्राप्त किये। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी ए.एम.एम. नासिर उद्दीन ने कहा कि बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने अपने प्रतिद्वंद्वी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष एवं जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11-दलीय विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार कर्नल (सेवानिवृत्त) ओली अहमद को हरा दिया। उन्होंने कहा कि आलमगीर को 255 मत मिले, जबकि ओली अहमद को 88 मत प्राप्त हुए।

शीर्ष अदालत ने इमरान खान को अस्पताल भेजने के आदेश पर सरकार की पुनर्विचार याचिका लौटाई

इस्लामाबाद/लाहौर/भाषा। पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजने के अपने आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली सरकार की पुनर्विचार याचिका बृहस्पतिवार को लौटा दी। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को निर्देश दिया था कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 73 वर्षीय संस्थापक को अगले दो दिन के भीतर इस्लामाबाद के 'शिफा इंटरनेशनल अस्पताल' ले जाया जाए और 16 सितंबर के लिए निर्धारित अगली सुनवाई तक उन्हें वहीं रखा जाए।

सरकार ने पहले कहा था कि वह अदालत के आदेश को लागू करेगी, लेकिन बाद में शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर आदेश पर पुनर्विचार और उसे वापस लेने का अनुरोध किया। खबरों के अनुसार, अदालत के रजिस्ट्रार कार्यालय ने कागजात का पूरा संकलन नहीं होने का हवाला देते हुए सरकार की याचिका लौटा दी। सूत्रों ने बताया कि सरकार खामियों को दूर करने और जरूरी बदलाव करने के बाद नई याचिका दायर कर सकती है। हालांकि, 'पीटीआई' के महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि आपत्तियां उठाए जाने के बाद सरकार ने पुनर्विचार याचिका वापस ले ली। उन्होंने कहा, 18 अगस्त के उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन न करने का कोई बहाना नहीं है।

इमरान खान साहब को तत्काल शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाया जाना चाहिए। आज ही वह दिन है। न्यायमूर्ति शाहिद वहीद की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने अंतरिम निर्देश जारी किए थे और खान को अस्पताल भेजने की समयसीमा बृहस्पतिवार आधी रात को समाप्त हो जाएगी।

खान की पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें बृहस्पतिवार रात 11 बजकर 59 मिनट तक अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया तो वह शुक्रवार को सरकार के खिलाफ अदालत की अवमानना की याचिका दायर करेगी।

डीके शिवकुमार ने अमित शाह से अपर भद्रा परियोजना की प्रक्रिया तेज करने का आग्रह किया

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को चेन्नई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपर भद्रा परियोजना के लिए केंद्र द्वारा घोषित 5,300 करोड़ रुपये की राशि जल्द जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राशि जारी होने में देरी से परियोजना का काम प्रभावित हो रहा है। शिवकुमार ने यहां दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि कर्नाटक की पिछली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की थी लेकिन अब तक यह राशि जारी नहीं की गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने शाह से कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने (बसवराज) बोम्मई सरकार के दौरान केंद्रीय बजट में अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की थी। संसद में घोषणा किए जाने के बावजूद अब तक यह राशि आवंटित नहीं की गई है, जिससे परियोजना प्रभावित हो रही है। मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया राशि जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं। शिवकुमार ने निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की राशि के इस्तेमाल के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी नीति या नियम बनाया जाना चाहिए, जिसके तहत राज्य सरकार स्थानीय जरूरतों के आधार पर सीएसआर की राशि के इस्तेमाल का फैसला कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे एक राज्य में कारोबार करते हैं और निवेश कहीं और करते हैं। हमारी प्राथमिकताएं शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हैं। ऐसे में राज्य सरकार को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे राशि कहां और किस तरह खर्च करें।'' मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, शाह ने शिवकुमार के सुझाव से आंशिक रूप से सहमति जताई और उन्हें सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों के प्रमुखों के साथ बातचीत करने को कहा।

अमित शाह की उपस्थिति में तमिलनाडु और पुडुचेरी के हितों की रक्षा का वचन दिया है मैंने : शिवकुमार

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में वचन दिया कि प्रस्तावित मेकेदातु बांध मामले में तमिलनाडु और पुडुचेरी के हितों की रक्षा की जाएगी। दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में शामिल होने के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने पानी के बंटवारे से जुड़े मुद्दों को सौहार्द्रपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए एक अलग बैठक का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि पीने के पानी की जरूरतों के लिए पांच अरब घन फुट पानी (टीएमसी) इस्तेमाल करने के अलावा, प्रस्तावित मेकेदातु बांध में जमा बाकी पानी तमिलनाडु के लिए होगा। उन्होंने तमिलनाडु और पुडुचेरी को संबोधित करते हुए कहा, ''बांध हमारे लिए नहीं, बल्कि आपके लिए ही बनाया जायेगा।''

बस के 'ऑटोमैटिक' दरवाजे में फंसने से सात वर्षीय बच्चे की मौत

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा जिले में एक खड़ी बस के ऑटोमैटिक दरवाजे में फंसने से सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त अभिषेक गुप्ता के अनुसार, यह दुखद घटना बुधवार शाम शहर के बाहरी इलाके में कपुराई थाना क्षेत्र स्थित एक गैराज में हुई। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दिव्येश राठवा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गैराज के पास खेल रहा दिव्येश संभवतः खड़ी बस के अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान अचानक बस का दरवाजा बंद हो गया और उसकी गर्दन उसमें फंस गई। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि गैराज में मौजूद दो लोगों ने बच्चे को बचाने के लिए बस का गेट धक्का देकर खोला, लेकिन तब तक वह बेहोश हो नीचे गिर पड़ा। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गुप्ता ने बताया कि बच्चे को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'परीक्षा में शामिल होने के लिए आलाकमान की मंजूरी के बाद सीडब्ल्यूसी की बैठक में नहीं गया'

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में शामिल नहीं होने की इजाजत दी थी क्योंकि उन्हें यहां पंजाब विश्वविद्यालय में एक परीक्षा में शामिल होना था।

पार्टी की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था सीडब्ल्यूसी की बैठक बुधवार को दिल्ली में हुई थी। प्रश्नपत्र लीक के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर हुई इस लंबी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अन्य और विशेष आमंत्रित सदस्यों के अलावा कांग्रेस-शासित राज्यों के सभी चार मुख्यमंत्री शामिल हुए।

कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार का निधन

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। सफदरजंग अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। अस्पताल ने अभी उनकी मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे में आग लगाए जाने से जुड़े मामले में 17 दिसंबर 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कुमार तिहाड़ जेल में बंद थे। दिल्ली की एक अदालत ने भी दंगों के दौरान दो सिखों की हत्या से जुड़े एक अन्य मामले में फरवरी 2025 में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तीन बार लोकसभा सदस्य रहे कुमार ने बाहरी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था और वह कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। उन्होंने 2018 में दोषी ठहराए जाने के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

तरुण तेजपाल ने यौन उत्पीड़न मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली/भाषा। पत्रकार तरुण तेजपाल ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। बंबई उच्च न्यायालय के छह अगस्त के आदेश के खिलाफ अधिवक्ता आदित्य सामद्दार के जरिये अपील दायर की गई। इससे पहले, गोवा सरकार ने तहलका के पूर्व संपादक को सुनाई गई सजा बढ़ाने की मांग को लेकर शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। सरकार का कहना था कि इस मामले में उम्रकैद की सजा दी जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ अदालत द्वारा पांच साल पहले तेजपाल को बरी करने के फैसले को पलट दिया था और उन्हें (तेजपाल को) दुष्कर्म का दोषी ठहराते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

वंदे मातरम् पर कांग्रेस का रवैया उसकी 'मानसिक गुलामी' को दर्शाता है : देवेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने के फैसले को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की तथा इसे संविधान के खिलाफ और विपक्षी दल की 'मानसिक गुलामी' का परिचायक बताया। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से यह भी कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि 22 अगस्त को पुणे में होने वाला राहुल गांधी का छात्रों की गूंज' कार्यक्रम सिर्फ़ कांग्रेस नेताओं द्वारा चलाए जा रहे कॉलेजों के विद्यार्थियों तक ही सीमित रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम खुली बातचीत के बजाय एकतरफा भाषण (मोनोलॉग) जैसा होगा।

कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फ़ैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे। कांग्रेस का यह फैसला तब आया जब भाजपा ने उसके नेताओं पर पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण न गाकर उसका अपमान करने का आरोप लगाया। इस फ़ैसले के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि ऐसा फैसला संविधान के खिलाफ है, क्योंकि भारत अब ब्रिटिश शासन के अधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद के फ़ैसलों का संवैधानिक प्रभुत्व होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''और अगर हम स्वतंत्र भारत की संसद द्वारा लिए गए निर्णय का पालन नहीं करते हैं, तो हम गुलामी की परंपरा को जिंदा रखेंगे।'' भाजपा नेता फडणवीस नेता ने आरोप लगाया, ''हम हमेशा कहा करते थे कि यह मानसिक गुलामी है। इस फैसले से उन्होंने हमारे सामने अपनी मानसिक गुलामी और संविधान का विरोध, दोनों ही बातें ज़ाहिर कर दी हैं।'' विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत करने के लिए पुणे आने पर फडणवीस ने कहा, लेकिन अगर यह सभी के साथ खुली बातचीत होती तो हमें खुशी होती। मेरी जानकारी के मुताबिक, ''वह कांग्रेस नेताओं द्वारा चलाए जा रहे कॉलेजों में पंजीकृत विद्यार्थी से बातचीत करेंगे। लेकिन कोई बात नहीं; वे (विद्यार्थी) भी हमारे ही हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर, यह कार्यक्रम एक नियंत्रित माहौल में आयोजित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ टिप्पणी के आरोप में 'ट्रांसजेंडर इन्फ्लुएंसर' जानमोनी दास गिरफ्तार

कोझिकोड/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके परिवार के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में 'ट्रांसजेंडर मेकअप आर्टिस्ट' और 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' जानमोनी दास को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कोझिकोड साइबर पुलिस ने दास और सोशल मीडिया पर उक्त कथित वीडियो साझा करने वाले दो अन्य लोगों को तलब किया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि थाने में मामले में सबूत जुटाने और पूछताछ समेत अन्य प्रक्रिया जारी है। यह मामला भाजपा की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नव्या हरिदास की ओर से 27 जुलाई को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, दास ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के सिलसिले में कथित तौर पर ये टिप्पणियां की थीं। इन टिप्पणियों से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था। टिप्पणियों को लेकर विवाद खड़ा होने के बाद दास ने एक वीडियो जारी करके माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि भाषा की जानकारी नहीं होने के कारण उनसे ये टिप्पणियां हुई हैं।

शिकार रोधी शिविर नष्ट किए जाने के बाद शिलुबेपुरा में जंगल में लगी आग, 10 एकड़ क्षेत्र प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक में चामराजनगर जिले के शिलुबेपुरा वन क्षेत्र में कथित रूप से उपद्रवियों द्वारा लगाई गई आग से करीब 10 एकड़ जंगल प्रभावित हुआ है। वन विभाग के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना एक शिकार रोधी शिविर को विस्फोट से नष्ट किए जाने के कुछ दिन बाद हुई है। वन अधिकारियों को आशंका है कि 15 अगस्त को चामराजनगर में तीन कथित शिकारियों की मौत के बाद उपद्रवियों ने गुस्से में इस आगजनी को अंजाम दिया।

अधिकारियों ने बताया कि आग शिलुबेपुरा वन क्षेत्र में फैल गई, जिससे करीब 10 एकड़ इलाका प्रभावित हुआ। इसके अलावा जगेरी के पास स्थित एक शिकार रोधी शिविर भी नष्ट हो गया। यह घटना चामराजनगर स्थित कावेरी वन्यजीव अभयारण्य में कई शिकार रोधी शिविरों को कथित तौर पर विस्फोटकों से उड़ाए जाने के बाद सामने आई है। ये घटनाएं 15 अगस्त को कथित मुठभेड़ में शिकारियों की मौत के बाद वन विभाग के खिलाफ नाराजगी के बीच हुई हैं। सूत्रों ने बताया कि घटनाओं के बाद वन विभाग के कर्मचारी लगातार वीडियो जारी कर रहे हैं।

अज्ञात उपद्रवियों ने चामराजनगर के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य में कई शिकार रोधी शिविरों को कथित रूप से विस्फोटकों से उड़ा दिया था। सूत्रों के अनुसार, कोथानूर क्षेत्र के मिनचिनारेहल्ला शिकार रोधी शिविर को डायनामाइट और जिलेटिन की छड़ों का इस्तेमाल कर नष्ट किया गया और विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शिविर की दीवारों को नुकसान पहुंचा एवं अंदर रखी सामग्री जल गई।

कोथानूर क्षेत्र में स्थित कई अन्य शिकार रोधी शिविरों-मिनचिनहल्ली, भीमेश्वरी, ओल्लेमारदा हट्टी, बुडिकेरे, बंदाहल्ली और कालिदोड्डी को भी 18-19 अगस्त की दरमियानी रात निशाना बनाया गया। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बुधवार कहा कि सरकार 15 अगस्त को तीन कथित शिकारियों की मौत के मामले में जांच के नतीजे का इंतजार करेगी और उसके बाद ही कोई टिप्पणी करेगी।

मारे गए तीन लोगों की पहचान एंथनी सामी, जॉन रोज पीटर और कुमार के तौर पर की गई है। वन विभाग के कर्मचारियों ने 15 अगस्त को तड़के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में उन्हें गोली मारी थी। कर्नाटक के अधिकारियों के अनुसार, वन कर्मी कथित वन्यजीव शिकार की सूचना मिलने के बाद शिकार रोधी अभियान पर थे और इसी दौरान संदिग्ध शिकारियों के समूह ने उन पर गोलीबारी की, जिसके बाद वन कर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।

अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी में तीनों लोगों की मौत हो गई। इस मुद्दे की गूंज पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी सुनाई दी है, जहां राजनीतिक दलों ने दावा किया कि मृतक तमिल समुदाय के थे और उन्होंने गोलीबारी की घटना को लेकर कर्नाटक के अधिकारियों के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा था कि कर्नाटक वन विभाग की ओर से दी गई सफाई अस्वीकार्य है।

शिरडी साईं बाबा पर 'आपत्तिजनक' वीडियो हटाने की शिकायत पर विचार करे केंद्र : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की शिकायत अपील समिति (जीएसी) को निर्देश दिया कि वह शिरडी साईं बाबा को निशाना बनाने वाले कथित रूप से भड़काऊ और आपत्तिजनक यूट्यूब वीडियो को हटाने की मांग वाली शिकायत पर विचार करे। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) और गूगल को नोटिस जारी कर इस संबंध में नया आवेदन दाखिल करने वाले 'श्री साईबाबा संस्थान न्यास, शिरडी' की याचिका पर जवाब मांगा है।

इससे पहले उच्च न्यायालय ने जीएसी को सात दिनों के भीतर आपत्तिजनक वीडियो हटाने के मुद्दे पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के वकील ने अदालत को सूचित किया कि जीएसी ने 13 अगस्त को ही एक आदेश पारित कर ऐसे वीडियो और लेखों को हटाने का निर्देश दे दिया है। हालांकि, याचिकाकर्ता न्यास का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद दुबे और अधिवक्ता प्राची दुबे ने दलील दी कि आपत्तिजनक सामग्री को पूरी तरह से नहीं हटाया गया है और कुछ वीडियो तथा लेख अब भी इंटरनेट पर मौजूद हैं।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केरलम के मुख्यमंत्री सतीशन ने मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/चेन्नई/भाषा। केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को चेन्नई में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा उठाया और स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्रों में सहकारी संघवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। सतीशन द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की गई एक 'पोस्ट' के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बैठक में राज्य से जुड़े जिन प्रमुख मुद्दों को उठाया, उनमें मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा भी शामिल है।

सतीशन ने कहा कि केरलम नए मुल्लापेरियार बांध से तमिलनाडु को उसके हिस्से का पूरा पानी देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नए बांध के डिजाइन, स्थान और निर्माण का जिम्मा तमिलनाडु संभालेगा जबकि इसका पूरा खर्च केरलम वहन करेगा। तमिलनाडु लगातार कहता रहा है कि पुराना बांध सुरक्षित है, जबकि केरलम सरकार का कहना है कि यह असुरक्षित है और जलस्तर अधिक होने की स्थिति में यदि बांध टूटता है तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की जान को खतरा हो सकता है। केरलम ने पुराने बांध का उपयोग बंद किए जाने की मांग की है। सतीशन ने अपनी सरकार की 'मिशन समुद्र' परियोजना, खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में हाल में किए गए संशोधनों को वापस लेने की जरूरत तथा सदन की सदस्य संख्या बढ़ाए बिना संसद में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करने की आवश्यकता का मामला भी उठाया।

तमिलनाडु के लिए केआरएस बांध से पानी छोड़े जाने के विरोध में कावेरी बेसिन में प्रदर्शन तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कावेरी बेसिन, खासकर मांड्या में किसानों ने कृष्णा राजा सागर (केआरएस) बांध से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़े जाने के विरोध में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन तेज कर दिया। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की उस सिफारिश को बरकरार रखा है, जिसमें 12 अगस्त से 15 दिनों तक प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ने की बात कही गई थी। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु सरकार ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया है और कर्नाटक को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश का पालन करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

मंड्या के संजय चौराहे पर किसानों ने धरना दिया। कन्नड़ सेना के कार्यकर्ताओं ने किसानों के इस प्रदर्शन को समर्थन देते हुए पुराने बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि बांध में पानी का स्तर महज 109 फुट है। उन्होंने सवाल उठाया कि इसके बावजूद तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का फैसला क्यों किया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कन्नड़ कार्यकर्ता वाटल नागराज ने पूरे देश में इसका मजबूत संदेश देने के लिए कर्नाटक के लोगों से एकजुट होकर आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। मंड्या के विधायक रवि कुमार गौड़ा (गनिगा) ने तमिलनाडु के लिए पानी छोड़े जाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। कावेरी सिंचाई सलाहकार समिति की बुधवार को हुई बैठक में गौड़ा ने सवाल उठाया कि कर्नाटक के किसानों को सिंचाई के पानी से कैसे वंचित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, एक तरफ आप तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ रहे हैं और दूसरी तरफ कह रहे हैं कि हमें पानी नहीं देंगे। अगर हमारे किसानों को उनकी फसलों के लिए पानी नहीं दिया गया तो स्थिति बहुत गंभीर हो जाएगी। उन्होंने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की। उनका कहना था कि राज्य में कई दशकों में पहली बार इतना भीषण और अभूतपूर्व सूखा पड़ा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु में दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष कावेरी जल विवाद का मुद्दा उठाया गया। उन्होंने बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कनकपुरा के पास कावेरी नदी पर मेकेदातु में संतुलन जलाशय बनाने की जोरदार पैरवी की।

'भारत माता की जय' के नारे पर आपत्ति को लेकर कॉलेज प्राचार्य के खिलाफ मामला दर्ज

बीदर। कर्नाटक के बीदर में एक इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद विद्यार्थियों द्वारा 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए जाने पर कथित रूप से आपत्ति जताने के लिए प्राचार्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 'एक छात्र के पिता की शिकायत के आधार पर चितगुप्पा थाने में 17 अगस्त को अब्दुल हकीम (39) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।' प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता का बेटा चितगुप्पा कस्बा स्थित इंटर कॉलेज में 12वीं कक्षा का छात्र है।प्राथमिकी में बताया गया कि कॉलेज में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया था और इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम व राष्ट्रगान हुआ। प्राथमिकी के अनुसार, पूर्वाह्न करीब 10 बजे राष्ट्रगान के बाद छात्र कुछ अन्य विद्यार्थियों के साथ कॉलेज परिसर से बाहर निकल रहा था और इस दौरान उन्होंने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' जैसे नारे लगाए।

अवसरों से डरें नहीं, पहल करने का साहस रखें : डॉ. राजदीप मनवानी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इतिहास बार-बार इस बात का गवाह रहा है कि वास्तविक प्रगति तभी संभव होती है, जब व्यक्ति असफलता या नुकसान के डर को पीछे छोड़कर सकारात्मक बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाता है। जीवन में प्रभाव पैदा करने के लिए पहल करना बेहद जरूरी है। अवसरों को ठुकराने से सफलता की संभावना समाप्त हो जाती है, जबकि आगे बढ़कर प्रयास करने से कम से कम बदलाव लाने का अवसर जरूर मिलता है। इसलिए युवाओं को चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए साहस, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ समाज एवं दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास करना चाहिए, ऐसा विचार मोटिवेशनल स्पीकर एवं बेंगलूरु के प्रोफेसर सिंधी कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्राध्यापक डॉ. राजदीप मनवानी ने व्यक्त किया। वे बेंगलूरु स्थित निट्टे (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के घटक संस्थान निट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 2026-28 शैक्षणिक वर्ष के एमबीए, एमसीए और एम.टेक पाठ्यक्रमों के नए विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन डे कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निट्टे एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहित पुंजा ने की।

उन्होंने विद्यार्थियों से स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा इंटर्नशिप जैसे व्यावहारिक कौशल हासिल करने का आह्वान करते हुए कहा कि निरंतरता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को नौकरी की चिंता नहीं करनी पड़ेगी, बल्कि उनके सामने कई नौकरी के प्रस्तावों में से चयन करने की स्थिति होगी।

सहजीवन साथियों का संबंध शादी जैसा ही है, माता-पिता दखल नहीं दे सकते : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि सहजीवन साथी (लिव इन रिलेशनशिप) के रूप में वयस्कों के बीच संबंध शादी जैसा ही है और न तो माता-पिता, न ही दोस्त उनकी पसंद में दखल दे सकते हैं। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने सहजीवन साथी के रूप में रह रहे एक युवक को लड़की के परिवार की ओर से मिल रही धमकियों के बाद उसे पुलिस सुरक्षा प्रदान की। अदालत ने कहा कि वयस्क होने के नाते उन्हें अपनी पसंद के साथी के चयन और उसके साथ रहने का ''पूरा अधिकार'' है।

ठग सुकेश ने अरविंद केजरीवाल को पत्र लिख 'तीन और बड़े घोटालों' का पर्दाफाश करने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने बृहस्पतिवार को जेल से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को एक पत्र लिखकर ''तीन और बड़े घोटालों'' का खुलासा करने की धमकी दी है। पत्र में कहा गया है, ''प्रिय केजरीवाल जी, सत्येंद्र जी और प्रॉक्सी पार्टी', आपके भ्रष्टाचारों को उजागर करने के लिए एक और कदम। सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 2021-22 में किए गए खुलासे सही साबित हुए हैं। अब 'शराब नीति' मामले के बाद अगला नंबर 'जल बोर्ड' का है। अभी तीन और मामले बाकी हैं, और अब ये उजागर होंगे।'' इसमें कहा गया है, आपके 'तीन और घोटालों' और 'भ्रष्टाचार' का तीन अन्य महत्वपूर्ण विभागों में जल्द ही खुलासा किया जाएगा, चिंता मत कीजिए। जल्द ही 'आप'-'एनीटाइम, ऑलवेज पार्टी ऑफ स्कैम'-की पहचान घोटालों की पार्टी के रूप में और मजबूत होगी।''

पत्र में कहा गया है, पंजाब के लोगों को फिर से बेवकूफ बनाने की बात भूल जाइए; जनता आप सभी को करारा सबक सिखाने वाली है। जैसा दिल्ली में हुआ, वैसा ही पंजाब में भी होगा। पंजाब की जनता आपके अहंकार और आपकी घोटालेबाज पार्टी को इससे भी जोरदार तरीके से नकार देगी। इसमें कहा गया है कि केजरीवाल के प्रॉक्सी द्वारा देश के युवाओं या 'जेन जी' को भड़काने की चाल काम नहीं करेगी और सुकेश किसी भी अन्य चीज से पहले पूर्व मुख्यमंत्री का पर्दाफाश करेगा।

पत्र में कहा गया है, ''मैं आपको एक संकेत देकर कुछ स्पष्ट कर दूं-आप और आपके प्रॉक्सी संस्थापक'। उम्मीद है, आपको 2015 और 2016 में मेरे साथ अपने जुड़ाव की याद होगी। हो सकता है कि आप लोगों को डेलुलुलु' (भ्रम) हो, लेकिन मुझे सब याद है। मैं जल्द ही आपको चौंकाऊंगा।''

कर्नाटक विधानसभा की कार्यवाही लगातार चौथे दिन भी बाधित रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक विधानसभा में बृहस्पतिवार को विपक्ष ने राज्य संचालित निगम में कथित धन के गबन के आरोपों को लेकर मंत्री बी नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया जिससे लगातार चौथे दिन कार्यवाही बाधित हुई। सत्र शुरू होते ही विपक्षी भाजपा और जद(एस) ने यह मुद्दा उठाया और नागेंद्र को तत्काल मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। विरोध के तौर पर विपक्षी सदस्य काली पट्टियां बांह में बांधे नजर आए। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, हम पिछले चार दिनों से अनुसूचित जनजाति समुदाय के धन की लूट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। नागेंद्र के कारण सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। एक नागेंद्र के लिए 224 सदस्यों के विशेषाधिकार का उल्लंघन हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष जी एस पाटिल ने विपक्ष से चर्चा में शामिल होने और सरकार से जवाब मांगने को कहा।

अशोक ने कहा कि नागेंद्र को हटाए जाने के बाद ही चर्चा फिर से शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा, मैं नागेंद्र के खिलाफ आरोपों पर पहले ही काफी चर्चा कर चुका हूं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर पर बुधवार को नागेंद्र को क्लीन चिट देकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि उनका नाम कई आरोप-पत्रों में शामिल है।

परमेश्वर ने बुधवार को सदन में नागेंद्र को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का बचाव किया था और विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना की थी। अशोक ने आरोप लगाया, सिद्दरामय्या ने पहले नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटा दिया था, जबकि डी के शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान ने उनसे पैसे लेकर उन्हें एक बार फिर मंत्री बना दिया। इसके बाद विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान कांग्रेस के कुछ विधायक जवाबी नारेबाजी करते नजर आए।

नारेबाजी के बीच अध्यक्ष ने प्रश्नकाल चलाया, जिसके दौरान कांग्रेस के कुछ विधायकों ने मंत्रियों से अपने सवालों के जवाब मांगे। इसके बाद अध्यक्ष ने विपक्ष के नेता अशोक से सूखे पर चर्चा में हिस्सा लेने को कहा। इस पर उन्होंने जवाब दिया, जब सरकार ने अभी तक सूखे की घोषणा ही नहीं की है और राहत के लिए धन जारी नहीं किया है तो चर्चा किस बात पर करें? सूखे की स्थिति पर बहस में हिस्सा लेने के अध्यक्ष के बार-बार अनुरोध के बावजूद विपक्षी सदस्यों ने नागेंद्र को हटाने की मांग को लेकर नारेबाजी जारी रखी, जिसके बाद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी। विपक्षी दल पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि यदि नागेंद्र को बर्खास्त नहीं किया गया तो वे मानसून सत्र की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। नागेंद्र ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में धन के कथित गबन के आरोपों के बाद पिछली सिद्दरामय्या नीत मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें तीन अगस्त को शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। वह अब योजना एवं सांख्यिकी मंत्री हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाल्मीकि निगम घोटाला मामले में जुलाई 2024 में बल्लारी के विधायक को गिरफ्तार किया था और बेंगलूरु की विशेष अदालत ने उसी साल अक्टूबर में उन्हें जमानत दे दी थी। इस मामले में ईडी और सीबीआई द्वारा दाखिल आरोप-पत्र में नागेंद्र का नाम शामिल है।

कपड़ा कारखाने में आग लगी

मंड्या कर्नाटक के मांड्या जिले के मड्डुर कस्बे में बृहस्पतिवार तड़के एक कपड़ा कारखाने में आग लग गई, जिसमें छह करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के कपड़े और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग मड्डुर में मालवल्ली रोड स्थित कपड़ा कारखाने में लगी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी सुबह उस समय मिली जब कर्मचारी कारखाने पहुंचे और उन्होंने आग लगी देखी।

बस के सड़क किनारे लगे संकेतक से टकराने से दो लोगों की मौत

मंड्या। जिले से गुजरने वाले बेंगलूरु-मंगलूरु राजमार्ग पर एक लग्जरी निजी बस के सड़क किनारे लगे संकेतक से टकराने के बाद दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बृहस्पतिवार को बताया कि हादसे में 20 से अधिक अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, निजी ट्रैवल्स की यह बस मंगलुरु से बेंगलूरु जा रही थी, तभी नागमंगला तालुक में राजमार्ग पर एक टोल गेट के पास यह हादसा हुआ।

रेल पहिया कारखाना
वेबसाइट: www.rwf.indianrailways.gov.in

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in (कार्य) के माध्यम से ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना एवं पात्रता संबंधी मानदंड आरडब्ल्यूएफ वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/सीएसओ/2026-27/48 दिनांक: 17/08/2026

क्र.सं.: 1। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/सीएसओ/2026-27/48। **कार्य का नाम:** आरडब्ल्यूएफ कारखाना क्षेत्र, प्रशासनिक भवन, पूर्वी एवं पश्चिमी कॉलोनियों, रेलवे अस्पताल, कर्मचारी संस्थान, के.वी. स्कूल, उत्सव कल्याण मंडपम, अधिकारी विश्राम गृह आदि में विभिन्न प्रकार के अग्निशमन उपकरणों (685 नग) की सेवा एवं अनुरक्षण (अनुबंध अवधि के दौरान उपरोक्त क्षेत्रों में अग्निशमन व्यवस्था सहित)। **अनुमानित लागत:** रु 1,93,22,971.10। **बयाना जमा राशि:** रु 3,86,500/-। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 08/09/2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह।

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/आरटीएस/2026-27/49आरटी दिनांक: 17/08/2026

क्र.सं.: 2। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/आरटीएस/2026-27/49आरटी। **कार्य का नाम:** आरटी शॉप में 3-टन फोर्कलिफ्टों की वार्षिक अनुरक्षण संविदा (एएमसी) सेवा। **अनुमानित लागत:** रु 1,33,77,824.64। **बयाना जमा राशि:** रु 2,67,600/-। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 08/09/2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह।

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/आरटीएस/2026-27/50 दिनांक: 20/08/2026

क्र.सं.: 3। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/आरटीएस/2026-27/50 **दिनांक:** 20/08/2026। **कार्य का नाम:** एसएमएस की आवश्यकता की पूर्ति हेतु चालक सहित मिनी ट्रक उपलब्ध कराने का प्रस्ताव। **अनुमानित लागत:** रु 22,22,400.00। **बयाना जमा राशि:** रु 44,400.00। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 11/09/2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/एएम

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
इसरो-टेलीमेट्री ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (ISTRAC)
निर्माण एवं रखरखाव समूह (CMG)
प्लॉट नं. 12 एवं 13, तृतीय मुख्य मार्ग, द्वितीय चरण,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बैंगलुरु-560 058.
फेक्स: 080-28094180, दूरभाष: 080-28094541, 4185, 4144

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी के ठेकेदारों से मुद्रांकित मद दर ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम	आईएलएफ, इस्ट्रैक, लखनऊ में विद्युत स्थापनों के संचालन एवं रखरखाव के लिए वार्षिक सेवा संविदा
ई-निविदा सूचना	ISTRAC/CMG/E/MAINT/E-Tender-73/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026
निविदा हेतु अनुमानित लागत (लाख रूपये में)	रू. 45.42 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य आदेश जारी होने की तारीख के 15वें दिन से पूर्ण करने की समयावधि (माहों में)	12 माह (उसी शर्तों एवं परिस्थितियों के साथ संविदा को दो वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित करने का प्रावधान)
निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि	21.08.2026 को 17:00 बजे से 05.09.2026 को 17:00 बजे तक
बिड स्पष्टिकरण	22.08.2026 को 11:00 बजे से 06.09.2026 को 16:00 बजे तक
बिड स्पष्टिकरण हेतु अंतिम प्रत्युत्तर की तारीख एवं समय	07.09.2026 को 16:00 बजे तक
निविदाएँ प्राप्त करने की अंतिम तारीख एवं समय	08.09.2026 को 16:00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथि एवं समय	10.09.2026 को 11:00 बजे के बाद
अनुबंध मनी जमा (EMD)	रू. 90,840/-

2. पात्रता मानदंड तथा अन्य विवरणों के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) निविदा आमंत्रण सूचना (NIT) देखें: **https://www.isro.gov.in/Tenders.html** तथा निविदा दस्तावेज नि:शुल्क देखें **https://www.tenderwizard.com/ISRO**.

ह/- समूह प्रमुख-CMG

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद लोकसभा की 543 सीटें बरकरार रखने के लिए प्रस्ताव लाए : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद से एक प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया, जिसमें केंद्र सरकार से परिसीमन के लिए 1971 की जनगणना को आधार मानने, अगले 25 वर्षों तक लोकसभा सीटों की संख्या 543 बनाए रखने और महिला आरक्षण को मौजूदा सीटों के तहत ही लागू करने की मांग की गई हो। शिवकुमार ने अंतर-राज्यीय नदी विवादों का भी जिक्र किया और कहा कि पानी हमारे बीच विभाजन का कारण नहीं बनना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु आमने-सामने हैं। चेन्नई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में शिवकुमार के अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू शामिल हुए।

शिवकुमार ने दक्षिणी राज्यों के लिए अधिक वित्तीय और राजनीतिक समानता की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा, उन राज्यों के लिए धन के आवंटन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सम्मान के मामले में निष्पक्ष रवैया अपनाया जाना चाहिए, जो देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। शिवकुमार ने दक्षिण भारत को भारतीय अर्थव्यवस्था का इंजन बताया। उन्होंने कहा कि देश की कुल आबादी में करीब 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी के बावजूद दक्षिण के पांच राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 33 फीसदी का योगदान देते हैं।

शिवकुमार ने कहा कि दक्षिणी राज्यों को जनसंख्या नियंत्रण में मिली सफलता उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम होने की वजह नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा, हम इस आश्वासन का स्वागत करते हैं कि किसी भी दक्षिणी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी। लेकिन प्रतिनिधित्व का मतलब सिर्फ संख्या नहीं है। यह अहमियत और आवाज के बारे में भी है। शिवकुमार ने परिसीमन के लिए 1971 की जनगणना को आधार मानने और लोकसभा सीटों की संख्या में कोई फेरबदल न करने पर खास तौर पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि यहां मौजूद सभी मुख्यमंत्री मेरी बात का समर्थन करेंगे। 1971 के आधार का सम्मान किया जाए और हमारे राजनीतिक प्रतिनिधित्व की रक्षा की जाए।

शिवकुमार ने परिसीमन के मुद्दे को महिला आरक्षण से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, महिलाओं ने अपने उचित प्रतिनिधित्व के लिए बहुत लंबा इंतजार किया है। उनके आरक्षण के लिए जनगणना का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने परिषद से एक प्रस्ताव पारित करने की अपील की, जिसमें अगले 25 वर्षों तक लोकसभा सीटों की संख्या को मौजूदा 543 पर ही बनाए रखने और उन्हीं 543 सीटों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था करने की मांग की गई हो। शिवकुमार की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब दक्षिण भारतीय राज्य यह चिंता जता रहे हैं कि आबादी के आधार पर होने वाली परिसीमन की प्रक्रिया से जनसंख्या को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने वाले राज्यों और बड़ी आबादी वाले प्रदेशों के बीच संसदीय प्रतिनिधित्व का संतुलन बिगड़ सकता है। शिवकुमार ने मेकेदातु परियोजना का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह परियोजना न सिर्फ कर्नाटक, बल्कि तमिलनाडु के लिए भी अहम है। शिवकुमार ने कहा कि कावेरी, कृष्णा, तुंगभद्रा, पेन्नार और पलार जैसी नदियां दक्षिणी प्रायद्वीप की जीवनरेखा हैं। उन्होंने पानी के बंटवारे से जल सहयोग की ओर बढ़ने का आह्वान किया। शिवकुमार ने कहा, हमारी नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं। उन्होंने कहा, पानी हमें एकजुट करे, न कि बांटे। अब पानी के बंटवारे से आगे बढ़कर जल सहयोग की बात करने का समय आ गया है। कर्नाटक ने दिखाया है कि ऐसा सहयोग कैसा होता है।

शिवकुमार ने कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच 25 जून को हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि इन तीनों राज्यों ने दिखा दिया है कि राज्यों के बीच पानी से जुड़े मुद्दों को बातचीत के जरिये सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि नदी के किनारे बसे हर राज्य की वैध जरूरतें हैं। और हमारा रुख तीन सिद्धांतों पर टिका है : समानता, पारदर्शिता और सहयोग। शिवकुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री से अपर भद्रा परियोजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से घोषित 5,300 करोड़ रुपये जारी किए जाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी आग्रह किया।

विज्ञापन संख्या डी.एस_IX-14011/1/2024-अनुभाग_9-अं.वि.
Advertisement No. DS_IX-14011/1/2024-SECTION_9-DOS
दिनांक : Dated : 21.08.2026

भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग / DEPARTMENT OF SPACE

अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक अनुसूची ए' सी.पी.एस.ई., मेसर्स न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) को मार्च 2019 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के केंद्रों और अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.) की घटक इकाइयों द्वारा किए गए अनुसंधान और विकास का व्यावसायिक रूप से उपयोग करने के उद्देश्य से निगमित किया गया था। एनएसआईएल भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती मांगों का समर्थन करने के लिए भारतीय उद्योग को उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण और उत्पादन आधार बढ़ाने में सक्षम बनाने का प्रयास करता है। अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के भाग के रूप में, एनएसआईएल भारतीय उद्योग के माध्यम से अंतरिक्ष व्यापार गतिविधियों, उपग्रहों के स्वामित्व, प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान करने, प्रक्षेपण यानों के निर्माण का कार्य, अंतरिक्ष आधारित सेवाएं प्रदान करना, उपग्रह निर्माण एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में शामिल होगा।

M/s. NewSpace India Ltd. (NSIL), a Schedule 'A' CPSE under the administrative control of the Department of Space (DOS), was incorporated in March 2019 with an objective of commercially exploiting the research and development carried out by Indian Space Research Organisation (ISRO) Centers and constituent units of Department of Space (DOS). NSIL endeavours to enable Indian Industry to scale up high technology manufacturing and production base to support the growing demands of Indian Space Program. As part of its business activities, NSIL shall involve in space business activities through Indian Industry namely owning satellites, task the building of satellites, providing launch services, building of launch vehicles, providing space based services, satellite building and technology transfer.

अंतरिक्ष क्षेत्र में अनुसूची ए' सी.पी.एस.ई., एनएसआईएल, बैंगलुरु में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के पद के लिए 05 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति/अनुबंध के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

Applications are invited for the post of Chairman-cum-Managing Director in NewSpace India Limited (NSIL), Bengaluru, a Schedule 'A' CPSE in the Space sector on Deputation/Contract basis for a period of 05 years.

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 21/09/2026 है।
The last date for receipt of application is 21/09/2026.
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in पर करियर लिंक पर जाएं।
For details, visit the website www.isro.gov.in under the link "Careers".
इस विज्ञापन से संबंधित कोई अनुशेष/शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल उपर्युक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
Addendum/corrigendum to this Advertisement, if any will be published only in the above website.
CBC 49120/11/0001/2627

'राजभाषा को एआई से जोड़कर काम को बना सकते हैं सरल'

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा गठित उपक्रम-2 की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. के क्षेत्रीय मुख्यालय ने गुरुवार को किया। इसका उद्देश्य केंद्र सरकार के उपक्रम कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करना और प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए साझा मंच देना है।

बैठक की अध्यक्षता पावर ग्रिड के द.क्षे. 2 के कार्यपालक निदेशक मुकुद शरद हेज़ीब ने की। उन्होंने कहा कि राजभाषा को एआई और सूचना प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ते हुए कार्मिकों के रोजमर्रा के काम को सरल बनाया जा सकता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. के बेंगलूरु कॉम्पलेक्स के निदेशक रजनीश शर्मा ने कहा कि हमें क्षेत्रीय संस्कृति को आत्मसात करते हुए भारतीय भाषाओं में जनसुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना चाहिए।

राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के उपनिदेशक निर्मल कुमार दुबे ने सभी पीएसयू कार्यालयों में राजभाषा में कामकाज की समीक्षा की। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के सहायक निदेशक जयवीर ने राजभाषा कामकाज में अनुवाद प्रशिक्षण के महत्त्व को दर्शाया। हिंदी शिक्षण योजना के प्रभारी अनिल कुमार साहू ने कार्मिकों के हिंदी प्रशिक्षण की समीक्षा की। बैठक में पावरग्रिड के वरिष्ठ महाप्रबंधक तनवीर मण्ड्यप्पुरथ ने स्वागत संबोधन दिया। बैठक का समन्वय सदस्य सचिव व उप महाप्रबंधक नारायण साव ने किया। इस दौरान नराकास का विजन, मिशन और संकल्प जारी किया गया। पत्रिका 'कावेरी-चंदन' के पहले अंक का लोकार्पण उप-समिति के सदस्यों भारतीय खाद्य निगम के राजभाषा प्रबंधक मनोज कुमार साव, गेल इंडिया लि. की राजभाषा अधिकारी अदिति साव, एमआरपीएल के हिंदी अनुवादक राकेश झा, राइट्स लि. के सहायक सुमित कुमार सिन्हा ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया।

राजभाषा विभाग के पूर्व उपनिदेशक राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने एआई और कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के लिए आईटी टूल्स पर प्रस्तुति दी। बैठक का संचालन राजभाषा की सहायक प्रबंधक रजनी साव और अदिति साव ने किया। बैठक में भारत सरकार के विभिन्न उपक्रम कार्यालयों के अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्री ट्रैकिंग एवं कमान नेटवर्क (ISTRAC),
निर्माण एवं रखरखाव समूह (CMG)
पीन्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलुरु-560 058.

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

समूह प्रमुख, ISTRAC, इसरो, पीन्या, बेंगलुरु-560 058 (फ़ोन नं. 080-28094541, 4185, 4144) की ओर से, उपर्युक्त श्रेणी के ठेकेदारों से एनआईटी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन, मुहरबंद मद दर ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम	ISTRAC, बेंगलुरु स्थित केंद्रीय ब्लॉक, SCC परिसर में VEDHAS, SDG विकास प्रयोगशाला में UPS वितरण पैनलों का प्रतिस्थापन तथा MAR सुविधा प्रयोगशाला के लिए नए UPS वितरण पैनल उपलब्ध कराना।	ISTRAC, बेंगलुरु स्थित केंद्रीय ब्लॉक, SCC परिसर में सर्वर कक्ष हेतु UPS वितरण पैनल, केबल, अर्थिंग तथा अन्य विद्युत कार्य उपलब्ध कराना।	ISTRAC, बेंगलुरु स्थित केंद्रीय ब्लॉक, SCC परिसर में कंप्यूटर सर्वर कक्ष तथा VEDHAS सर्वर कक्ष के लिए HVAC LT पैनल उपलब्ध कराना।	DOS हाउसिंग कॉलोनी, अंतरिक्ष अपार्टमेंट, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु में सिविल एवं PH प्रणालियों के परिचालन एवं रखरखाव हेतु वार्षिक सेवा अनुबंध।
ई-निविदा सूचना	ISTRAC/CMG/E/MAINT/E-Tender-69/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026	ISTRAC/CMG/E/MAINT/E-Tender-70/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026	ISTRAC/CMG/E/MAINT/E-Tender-71/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026	ISTRAC/CMG/MAINT/C/E-Tender-72/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026
निविदा के लिए अनुमानित लागत (लाख रुपये में)	रु. 23.95 लाख	रु. 23.96 लाख	रु. 20.94 लाख	रु. 8.53 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदाएँ			
कार्य आदेश जारी होने की तारीख के 15वें दिन से पूर्ण करने की समयावधि (माहों में)	चार (04) माह	तीन (03) माह	चार (04) माह	12 माह (समान शर्तों एवं परिस्थितियों के साथ अनुबंध को 2 वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित करने का प्रावधान)
निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि	21.08.2026 को 16:00 बजे से 05.09.2026 को 16:00 बजे तक			21.08.2026 को 14:30 बजे से 31.08.2026 को 16:30 बजे तक
बिड स्पष्टीकरण	22.08.2026 को 11:00 बजे से 06.09.2026 को 16:00 बजे तक			21.08.2026 को 15:30 बजे से 01.09.2026 को 16:30 बजे तक
बिड स्पष्टीकरण हेतु अंतिम तारीख एवं समय	07.09.2026 को 16:00 बजे तक			02.09.2026 को 16:30 बजे तक
निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तारीख एवं समय	08.09.2026 को 16:00 बजे तक			03.09.2026 को 14:30 बजे तक
निविदाएं खोलने की देय तारीख एवं समय	10.09.2026 को 11:00 बजे के बाद			04.09.2026 को 11:30 बजे के बाद
अर्नस्ट मनी डिपॉजिट (EMD)	रु. 47,900.00	रु. 47,920.00	रु. 41,880.00	रु. 17,060.00

पात्रता मानदंड तथा अन्य विवरणों के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) निविदा आमंत्रण सूचना (NIT) देखें: **https://www.isro.gov.in/Tenders.html** पर तथा निविदा दस्तावेज नि:शुल्क देखें **https://www.tenderwizard.com/isro**

Sd/- समूह प्रमुख, CMG

कांग्रेस विधायकों का विधानसभा के बाहर धरना, कार्यवाही में शामिल नहीं हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को यहां शुरू हुआ जिसमें मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने भाग नहीं लिया। कांग्रेस विधायकों ने राज्य के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे को लेकर विधानसभा परिसर के बाहर धरना दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्षी सदस्यों की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई और उनसे कार्यवाही में हिस्सा लेने की अपील की। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और विधायी कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने भी कार्यवाही में भाग नहीं लेने के लिए कांग्रेस विधायकों की आलोचना की।

कुछ विधायी काम निपटाने व शोकाभिव्यक्ति के बाद कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले कांग्रेस विधायक बृहस्पतिवार की सुबह पोद्दार मूक-बधिर स्कूल पहुंचे थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश व मीडिया कवरेज पर कथित प्रतिबंध का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनता और मीडिया को सरकारी स्कूलों की खराब हालत को उजागर करने से रोकने की कोशिश कर रही है। जूली ने कहा कि इस आदेश को वापस लिया जाए। कांग्रेस नेताओं ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे के भी मांग की।

बाद में ये विधायक जूली की अगुवाई में पोद्दार स्कूल से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा के मुख्य दरवाजे तक पहुंचे। जब विधायकों ने समूह में विधानसभा में जाने की कोशिश की तो पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। ये विधायक विधानसभा

के बाहर धरने पर बैठ गए।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों के परिसर में प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना 'बाहरी लोगों' के प्रवेश पर रोक लगा दी है। साथ ही लिखित मंजूरी के बिना स्कूल की गतिविधियों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी पर भी रोक लगा दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने हाल ही में घोषणा की थी कि उसकी टीम राज्य के उन स्कूलों का दौरा करेगी जिनकी हालत 'ठीक नहीं है'। इसके बाद ही राज्य के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने रोक संबंधी यह आदेश निकाला।

हालांकि, शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि इस आदेश से आगंतुकों पर पूरी तरह कोई रोक नहीं है। आज के धरना स्थल पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि विधायकों को नियमित दरवाजे से अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है तथा दरवाजे पर ताला लगा दिया गया है। डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर तानाशाही वाला रवैया अपनाने का आरोप लगाया और स्कूलों की हालत दिखाने पर लगाई गई रोक पर सवाल उठाए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि विधानसभा के गेट नंबर छह पर ताला इसलिए लगाया गया था ताकि कांग्रेस विधायक शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार, शिक्षा मंत्री की कथित विफलता, कथित कृषि घोटाले और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कमियों जैसे मुद्दों को न उठा सकें। उन्होंने कहा,'सवालों से डरती, जवाबदेही से भागती...ये भाजपा की कैसी भगोड़ी सरकार है जो लोकतंत्र पर ताला लगाती है? विधायकों को सदन में प्रवेश से रोकना और लोकतंत्र के मंदिर पर ताला लगाना, भाजपा सरकार द्वारा सीधे-सीधे लोकतंत्र की हत्या करना है।'

नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि विधानसभा सुचारु रूप से चले, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि विधायकों को उस दरवाजे से प्रवेश करने से क्यों रोका गया जिसका वे पारंपरिक रूप से इस्तेमाल करते रहे हैं। जूली ने पूछा, जब से विधानसभा बनी है, हम इसी दरवाजे से आते रहे हैं। आज इसे क्यों बंद किया गया? उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर विशेषाधिकार प्रस्ताव लाएगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विधायक पहले सुबह स्कूल गए जहां उन्हें एक नोटिस दिखाया गया जिसमें कहा गया था कि वे परिसर में प्रवेश नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, फिर हम पैदल विधानसभा पहुंचे और हमें यहां प्रवेश करने से रोक दिया गया। जूली ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए एक 'आवाज दबाने वाला कानून' लेकर आई है और मांग की कि इस आदेश को वापस लिया जाए। राज्य के सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि 3,768 स्कूलों को जर्जर घोषित किया गया था, लेकिन उनमें से किसी में भी पुनर्निर्माण का काम पूरा नहीं हुआ है।

उन्होंने आगे दावा किया कि लगभग 85,000 कक्ष खराब हालत में हैं और अध्यापकों के 1.25 लाख से अधिक पद खाली हैं। कांग्रेस विधायकों के धरने में मौजूद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधा।

राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र शुरू, कांग्रेस विधायक शामिल नहीं हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को यहां शुरू हुआ जिसमें मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने भाग नहीं लिया और राज्य के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे पर विधानसभा परिसर के बाहर धरना दिया। सत्र की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्ष के सदस्यों के सदन में नहीं होने पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बेंचों को खाली देखकर मन में पीड़ा है। विपक्ष के सदस्यों से कार्यवाही में भाग लेने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थिति ठीक नहीं है।

सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी सदन से अनुपस्थित रहने के लिए कांग्रेस के विधायकों पर कटाक्ष किया। सदन में कुछ विधायी कार्य निपटाए गए और दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने के बाद कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले कांग्रेस विधायक बृहस्पतिवार की सुबह पोद्दार मूक-बधिर स्कूल पहुंचे थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश व मीडिया कवरेज पर कथित प्रतिबंध का मुद्दा उठाया। जूली ने कहा कि इस आदेश को वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों के आंदोलन को दबाना चाहती है। बाद में ये विधायक जूली की अगुवाई में पोद्दार स्कूल से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा के मुख्य दरवाजे तक पहुंचे।। जब विधायकों ने समूह में विधानसभा में जाने की कोशिश की तो पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। ये विधायक विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि विधायकों को छह नंबर दरवाजे से अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है तथा दरवाजे पर ताला लगा दिया गया है।

मुख्य सचिव ने पीएम गति शक्ति राज्य मास्टर प्लान की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में पीएम गति शक्ति राज्य मास्टर प्लान के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा पीएम गति शक्ति पोर्टल पर जीआईएस आधारित डेटा अपलोड करने, डेटा लेयर्स की मैपिंग एवं परियोजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पोर्टल पर उपलब्ध डेटा को अधिक उपयोगी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए सभी आवश्यक लेयर्स की मैपिंग प्राथमिकता से पूरी की जाए। श्रीनिवास ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व भूमि की मैपिंग करते समय केवल भूमि का स्थान ही नहीं, बल्कि भूमि की किस्म सहित अन्य महत्वपूर्ण संबंधित विवरण भी पोर्टल पर उपलब्ध कराए जाएं। इससे विभागों को अपनी परियोजनाओं के लिए उपयुक्त भूमि चयन में सुविधा होगी तथा योजना अधिक प्रभावी ढंग से बनाई जा सकेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को पीएम गति शक्ति पोर्टल पर प्राथमिकता से मैप किया जाए, ताकि परियोजनाओं की योजना बनाते समय विभिन्न विभागों के पास संबंधित क्षेत्र की समग्र एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहे। उन्होंने प्रदेश में संभावित इन्फ्रास्ट्रक्चर गैप्स की पहचान, उनका विश्लेषण एवं मैपिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के डेटा को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने से परियोजनाओं की आवश्यकता, उपलब्ध संसाधनों और कनेक्टिविटी से संबंधित कमियों की बेहतर पहचान की जा सकेगी।

बैठक में बताया गया कि राज्य के पीएम गति शक्ति पोर्टल पर केंद्र सरकार की 29 अनिवार्य लेयर्स तथा राज्य सरकार द्वारा चिन्हित 23 अतिरिक्त लेयर्स की मैपिंग की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 11 अन्य लेयर्स भी मैप की गई हैं। इससे विभिन्न विभागों को परियोजनाओं की योजना एवं क्रियान्वयन के लिए एकीकृत भू-स्थानिक जानकारी उपलब्ध हो रही है। बैठक में पीएम गति शक्ति डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान की प्रगति की भी जानकारी दी गई। इसके तहत बारां जिले द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया जा चुका है, जबकि धौलपुर, सिरोही, करौली एवं जैसलमेर जिलों में मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। जिला स्तर के मास्टर प्लान में स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल, विद्युत एवं सड़क सहित विभिन्न सामाजिक एवं बुनियादी सुविधाओं से संबंधित डेटा को शामिल किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान जीआईएस आधारित एकीकृत प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के डेटा को एक मंच पर उपलब्ध कराकर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समग्र एवं समन्वित योजना में सहायता करना है। प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भू-स्थानिक डेटा, सैटेलाइट इमेजरी और विभिन्न डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण के माध्यम से परियोजनाओं की प्लानिंग, निगरानी, कनेक्टिविटी का आकलन तथा संभावित गैप्स की पहचान में सहायता मिलती है। बैठक में उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, नागरिक विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और गति शक्ति पोर्टल से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित रहें।

जयपुर में 75 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या, कंबल में बांधकर खाली जगह पर फेंका शव

जयपुर। जयपुर में 75 वर्षीय एक बुजुर्ग की कथित तौर पर हत्या कर शव को अन्यत्र फेंक दिये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान टोडारायसिंह निवासी जगदीश के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जगदीश का निर्वस्त्र शव सांगानेर सदर थानाक्षेत्र में एक खाली जगह पर कंबल में लिपटा मिला। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया आशंका है कि हत्या के बाद शव को वहां लाकर फेंका गया। सहायक पुलिस आयुक्त भवानी सिंह ने बताया कि पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस उपनिरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को कोटपूतली में एक उपनिरीक्षक को 3,500 रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार, पुलिस थाना कोटपूतली के उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के एक बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके द्वारा बैंक के विरुद्ध अदालत के माध्यम से कोटपूतली थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। परिवादी के अनुसार, आरोपी राजेंद्र सिंह इसके अनुसंधान अधिकारी हैं और वे आगे की कार्रवाई करने की एवज में पांच हजार रुपए मांग रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने रिश्वत मांगते हुए 1500 रुपए ले लिए।

टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य के लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार में लाएं तेजी : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों को और गति दी जाए। इसके लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार को सघन करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जिला स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव गुरुवार को शासन सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने टीबी की समय पर पहचान के लिए एक्स-रे मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (छ--ढ) बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए अन्य जिलों में भी प्रभावी कार्ययोजना के साथ परिणामों में सुधार लाया जाए।

श्रीनिवास ने टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (ढ्झढ) और डिफरेंशिएटेड टीबी केयर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी रोगी का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के साथ उसके परिवार के पात्र सदस्यों की स्क्रीनिंग और आवश्यकतानुसार प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने माय भारत स्वयंसेवकों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने, एनसीसी कैडेटस की ब्लॉक स्तर तक भागीदारी बढ़ाने तथा एएनएम, आशा सहयोगिनी और सीएचओ सहित जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्मिकों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग श्रीमती गायत्री राठौड ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 29 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई थीं। यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 586, वर्ष 2024 में 3,350 तथा वर्ष 2025 में 6,547 तक पहुंच गई।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 38 लाख 43 हजार 583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है तथा टीबी रोगियों को 2 लाख 4 हजार 888 पोषण किट वितरित की गई हैं। वर्ष 2026 में एक्स-रे उपयोग लक्ष्य के मुकाबले 83 प्रतिशत तक पहुंचा है। श्रीमती राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में टीबी जांच के लिए 643 छ--ढ लैब, 132 हैंड-हेल्ड एक्स-रे यूनिट और 652 फिक्स्ड एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान 3 लाख 29 हजार से अधिक छ--ढ टेस्ट और 35 लाख 87 हजार से अधिक एक्स-रे किए गए हैं। बैठक में एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जोगा राम सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान में विपक्ष के नेता टीकाराम जुली ने कांग्रेस विधायकों के साथ मिलकर गुरुवार को राज्य सरकार के उस आदेश के खिलाफ विधानसभा तक विरोध मार्च निकाल लिया, जिसमें उन्होंने मीडिया पर शिक्षा विभाग की कवरेज करने पर रोक लगा दी। भजनलाल सरकार के आदेश के खिलाफ अब राज्य में मीडिया लोगों को यह नहीं बता पाएगी कि मौजूदा समय में स्कूल कितने जर्जर हो चुके हैं या शिक्षा प्रणाली कितनी बदहाल हो चुकी है। इसी फैसले के विरोध में टीकाराम जूली ने कांग्रेस के अन्य विधायकों के खिलाफ साथ मिलकर विधानसभा तक मार्च निकाला, जिसमें वरिष्ठ नेता सचिन पायलट भी शामिल हुए। इस दौरान दोनों नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत भी की।

टीकाराम जूली ने कहा कि ये लोग हमें कब तक रोकेंगे। ये लोग हमें नहीं रोक पाएंगे। मैं खुद विधानसभा में इस बात का जिक्र करते हुए कहा था कि ये लोग हमें नहीं रोक पाएंगे। ये लोग बच्चों को रोकना चाहते हैं। ये लोग बच्चों की आवाज को दबाना चाहते हैं। हर घर में बच्चा है। आखिरकार आप कितने बच्चों को मोबाइल ले जाने से रोकेंगे। आप लोग कितने मीडिया वाले रोकने का काम करेंगे। हम सिर्फ एक ही बात जानते हैं कि आज राजीव गांधी की पुण्यतिथि है। उन्होंने नवोदय विद्यालय खुलवाए थे। आज नवोदय विद्यालय से पढ़े हुए बच्चे देश दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। इन लोगों ने एजुकेशन में एक भी काम किया हो, तो आप मुझे बताइए।

उन्होंने कहा कि हम आईटीई

लेकर आए थे। ये लोग अब उसका भगतान तक नहीं कर रहे हैं। सर्व शिक्षा अभियान और समग्र शिक्षा अभियान हम लोगों ने शुरू करने का काम किया था। लेकिन, अफसोस की बात है कि इन लोगों ने उसे भी बंद करने का काम किया। यही नहीं, सीएसआर का पैसा आरएसएस को दिया जा रहा है। मेरा यह कहना है कि यह पैसा स्कूलों को दीजिए। अगर यह पैसा स्कूलों को दिया गया होता, तो आज की तारीख में स्कूलों की तस्वीर बदल गई होती।

टीकाराम जूली ने कहा कि इस सरकार ने सत्ता में आने से पहले वादा किया था कि हम पहले ही साल में सारे पद भर देंगे। अफसोस की बात है कि अभी तक सवा लाख पद रिक्त पड़े हुए हैं। स्थिति ऐसी हो गई कि 9 लाख बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं। 3768 स्कूल जर्जर हो चुके हैं, वहां स्टूडेंट पढ़ने के लिए नहीं जा सकते हैं। इन स्कूलों को 85 हजार क्लासरूम क्षतिग्रस्त हैं। स्कूल में कोई भी पढ़ाने वाला शिक्षक नहीं है और मैं समझता हूं कि यह बहुत ही गंभीर स्थिति है। सरकार को इस दिशा में काम करना चाहिए। लेकिन, अफसोस की बात है कि इस दिशा में कोई काम नहीं किया जा रहा है। यह सभी भाजपा के पाप हैं और अब इन पापों को भरने के लिए बीजेपी की ओर से एक ढक्कन कानून लाया गया है। ऐसे ढक्कन कानून में अपनी जेब में लेकर चलता हूं। ये ढक्कन कानून अब चलने वाला नहीं है। इस ढक्कन कानून को राजस्थान के बच्चे और जनता उखाड़ फेंकने का काम कर रहे हैं। बीजेपी के पाप का घड़ा भर चुका है। अब यह फूटेगा, बल्कि ढंका नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ट्रेलर है। अभी पूरी फिल्म बाकी है। हम राजस्थान के सभी स्कूलों में जाकर यहां के स्कूलों की जर्जर हालत के बारे में लोगों को बताएंगे। हम इन लोगों को बताएंगे कि मौजूदा समय में स्कूलों की हालत कैसी बनी हुई है। यह छुपाएंगे, लेकिन हम दिखाएंगे। ये लोग हिंदू मुस्लिम की बात करेंगे, लेकिन अब हम मुद्दों पर बात करेंगे और मुद्दों के साथ जनता के बीच में जाएंगे।

वहीं, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार को घेरा। उनके मुताबिक, यह सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है।

विद्यार्थियों से जुड़ी शिकायतों की संवेदनशीलता से त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार खींची ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा विभाग से संबंधित परिवादों की स्थिति, पोर्टल पर उनकी श्रेणीवार प्रविष्टि, शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निदेशक खींची ने शिक्षा विभाग से संबंधित सभी श्रेणियों में प्राप्त परिवादों का विस्तृत विश्लेषण किया। उन्होंने शिकायतों की प्रकृति, संबंधित विभागीय स्तर तथा निस्तारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को परिवादों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खींची ने कहा कि प्राप्त शिकायतों को उनकी प्रकृति एवं विषय के अनुरूप सक्षम स्तर पर शीघ्र प्रेषित किया जाए, ताकि अनावश्यक विलंब न हो और परिवादियों को समयबद्ध राहत मिल सके। उन्होंने शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ निस्तारण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि यदि किसी परिवाद की वर्तमान श्रेणी उसके वास्तविक विषय से मेल नहीं खाती, तो आवश्यकतानुसार उसका री-कैटेगराइजेशन किया जाए, जिससे शिकायत संबंधित एवं सक्षम स्तर तक पहुंचकर उसका उचित समाधान सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही परिवादों की सही श्रेणी निर्धारण की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से संबंधित परिवादों का निस्तारण संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ किया जाए, ताकि संबंधित विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक सहायता एवं समाधान उपलब्ध हो सके। इस दौरान बालिका सैनिक स्कूल से संबंधित प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा कर उनके निस्तारण की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के दौरान खींची ने परिवाद निस्तारण से जुड़े कार्मिकों से संवाद कर पोर्टल की कार्यप्रणाली एवं शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली।

मोदी, सोनिया, खरगे और राहुल ने राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य पार्टी नेताओं ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने 'वीर भूमि' पहुंचकर राजीव गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। बाद में इन नेताओं ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

खरगे ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लाखों लोगों में उम्मीद जगाई और भारत को 21वीं सदी की संभावनाओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि राजीव गांधी एक ''दूरदर्शी नेता'' थे और उनकी विरासत उन बड़े बदलावों में जीवित है, जिनका उन्होंने समर्थन किया तथा भारत के युवाओं, तकनीकी प्रगति और नए विचारों में उनके अटूट विश्वास में भी यह विरासत दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी को सबसे सार्थक श्रद्धांजलि भारत की सद्भाव और मेल-मिलाप की भावना को मजबूत करना तथा बौद्धिक स्वतंत्रता, नवाचार और युवाओं की आकांक्षाओं को बढ़ावा देना होगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प हमेशा उनका मार्गदर्शन करता रहेगा। राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को हुआ था। वह 40 वर्ष की उम्र में 31 अक्टूबर 1984 को देश के प्रधानमंत्री बने और दो दिसंबर 1989 तक इस पद पर रहे। तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में 21 मई 1991 को चुनावी सभा के दौरान आत्मघाती हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी।

सर्वोदय विद्यालयों के संचालन में व्यापक बदलाव की जरूरत : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

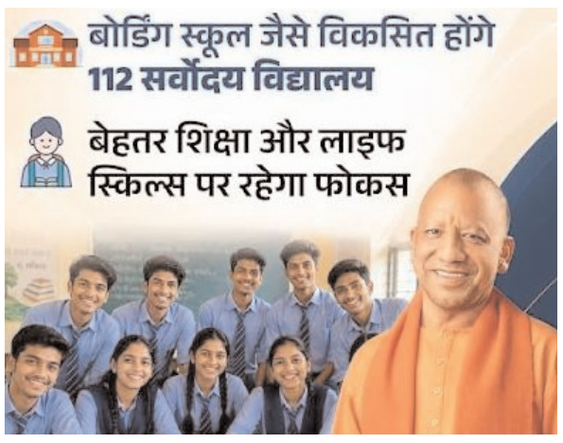

लखनऊ/भाषा। लखनऊ और उन्नाव जिले में हाल ही में शिक्षा व्यवस्था तथा अन्य समस्याओं को लेकर छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत बताई है।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिये कि सर्वोदय विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि इन आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सके। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में विभाग की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक कर्मचारियों की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी ली। बयान के अनुसार, आदित्यनाथ ने कहा कि इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ और उन्नाव में सर्वोदय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हाल ही में अपने-अपने स्कूलों में शिक्षकों की कमी और विद्यालय से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया था। छात्रवृत्ति वितरण की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति' से वंचित विद्यार्थियों के लिए आवेदन पोर्टल तत्काल खोला जाए और हर हाल में दो अक्टूबर तक छात्रवृत्ति की धनराशि अंतरित कर दी जाए।

वाराणसी में बाढ़ के पानी में डूबे घाट, सीढ़ियों और छतों पर हो रहा दाह संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी में गंगा की बाढ़ से हालात विकट होते जा रहे हैं और हरिश्चंद्र घाट तथा मणिकर्णिका घाट पर पानी आ जाने की वजह से शवों का दाह संस्कार सीढ़ियों और छतों पर किया जा रहा है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि गंगा के जल स्तर में लगातार बढ़ोत्तरी देखी जा रही है और यह तेजी से खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हरिश्चंद्र घाट और मणिकर्णिका घाट पर पानी आ जाने से घाटों के सीढ़ियों और छतों पर दाह संस्कार किया जा रहा है। त्रिपाठी ने बताया कि वाराणसी में सावन माह की वजह से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं और उनकी सुरक्षा को देखते हुए एहतियातन नावों के संचालन पर रोक लगा दी गयी है। उन्होंने बताया कि नाविकों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे जल पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों द्वारा उद्घोषणा के माध्यम से बताए गए सभी आदेशों का पालन करें।

बिहार में पांच लाख घरों तक 'रूफटॉप' सौर ऊर्जा पहुंचाने के लिए टाटा पावर की 'हर घर सोलर' पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में रूफटॉप सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने बृहस्पतिवार को 'हर घर सोलर' कार्यक्रम की शुरुआत की। कंपनी ने अगले तीन वर्षों में राज्य के पांच लाख घरों में छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने में सहयोग करने का लक्ष्य रखा है। पटना में आयोजित कार्यक्रम में बिहार ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रवीर सिन्हा तथा टीपीआरईएल के सीईओ एवं एमडी संजय बांगा की उपस्थिति में इसकी शुरुआत की।

प्रवीर सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से शुरू की गई यह पहल बिहार में सौर ऊर्जा क्रांति लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि बिहार मंत्रिमंडल ने हाल ही में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रति किलोवाट 10,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी को मंजूरी दी है। इसके बाद एक किलोवाट प्रणाली पर कुल केंद्रीय एवं राज्य सब्सिडी 40,000 रुपये, दो किलोवाट पर 80,000 रुपये तथा तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर 98,000 रुपये हो गई है। प्रवीर सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से शुरू की गई यह पहल बिहार में सौर ऊर्जा क्रांति लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बिहार मंत्रिमंडल ने हाल ही में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रति किलोवाट 10,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी को मंजूरी दी है।

शुभेंदु ने बाढ़ प्रभावित सबांग का हवाई सर्वेक्षण किया, लोगों को मदद का भरोसा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को भारी बारिश के बाद पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित सबांग इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारी ने कहा कि लोगों को हो रही परेशानियों को कम करने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को पहले ही आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आज सबांग जाते समय मैंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भारी बारिश के कारण पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबांग में बाढ़ की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है।

अधिकारी ने कहा, स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को पहले ही आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। आम लोगों की परेशानियों को कम करने के लिए पीने का पानी, राहत सामग्री और प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल वक्त में सरकार लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोगों की तकलीफ कम करने के लिए प्रशासन पूरी ताकत से काम कर रहा है।

अभिषेक अपने फ्रीज खाते का केवाईसी अपडेट कराने के लिए बैंक को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराएं : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को निर्देश दिया कि वह अपने उस खाते और डेबिट-क्रेडिट कार्ड का केवाईसी अपडेट कराने के लिए सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराएं, जिन्हें बैंक अधिकारियों ने फ्रीज कर दिया है। बैंक ने अदालत को बताया कि अभिषेक के बैंक खाते और डेबिट-क्रेडिट कार्ड के केवाईसी अपडेट के लिए किन दस्तावेजों की जरूरत है। उसने तृणमूल सांसद से भरा हुआ आवेदन पत्र, फोटो और निवास प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को कहा। अभिषेक ने उनके खाते को फ्रीज करने (लेन-देन पर रोक लगाने) और डेबिट-क्रेडिट कार्ड को ब्लॉक करने के एक निजी बैंक के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने अभिषेक की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें बृहस्पतिवार को ही बैंक को सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैंक के वकील ने अदालत को बताया कि अभिषेक ई-केवाईसी की सुविधा का लाभ नहीं उठा सकते, क्योंकि उनका खाता फ्रीज कर दिया गया है। हालांकि, वकील ने कहा कि अभिषेक को शाखा जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बैंक के अधिकारी सभी जरूरी दस्तावेज लेने के लिए उनके आवास पर जाएंगे। न्यायमूर्ति राव ने बैंक से कहा कि वह तृणमूल सांसद को उनके आवास पहुंचने के समय के बारे में जानकारी दे। उन्होंने अभिषेक को निर्देश दिया कि वह तय समय पर अपने आवास पर मौजूद रहें, ताकि जरूरी दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर लिए जा सकें। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की तथा इस केंद्रशासित प्रदेश में प्रमुख विकास कार्यों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की। सक्सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि वह लद्दाख के समावेशी और सतत विकास के लिए प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता, निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभारी हैं।

सक्सेना ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना और उन्हें लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख विकास पहल, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति के बारे में जानकारी देना वास्तव में सम्मान की बात थी।''

बैंककर्मी ने पत्नी व बहन की गोली मारकर हत्या करने के बाद की खुदकुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर क्षेत्र में बैंक कर्मचारी ने अपनी पत्नी और बहन की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपनी मौत से पहले पोस्ट किए गए एक 'व्हाट्सऐप स्टेटस' में आरोपी ने दावा किया कि उसने अपनी पत्नी को इसलिए मार डाला क्योंकि उसने उसे ''धोखा'' दिया था। पुलिस के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12:15 बजे गोमती नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक की एक शाखा के बाहर हुई। मृतका की पहचान दिव्या मिश्रा (37) के रूप में हुई है, जो बैंक में 'रिलेशनशिप मैनेजर' के पद पर कार्यरत थीं।

पुलिस ने बताया कि दिव्या अपनी कार में थीं, तभी उनके पति मानस मिश्रा ने उन्हें बाहर बुलाया और गोली मार दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। मानस कथित रूप से एक ऑटो रिक्शा में दिव्या का इंतजार कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मानस और दिव्या के बीच वैवाहिक विवाद था। अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) अमोल मुर्कुट सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बताया कि दिव्या पिछले तीन-चार वर्षों से इस बैंक में काम कर रही थीं। पुलिस अधिकारी ने कहा, बैंक में काम करने वाली दिव्या के सहकर्मियों ने हमलावर की पहचान उसके पति के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि मानस का बाद में हुसड़िया क्षेत्र में पता लगाया गया, जहां उसने अपनी बहन शीबा बाजपेयी को कथित तौर पर गोली मार दी और इसके बाद खुद को भी गोली मार ली।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी भी एक बैंक में अधिकारी था। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। लखनऊ के पुलिस आयुक्त तरुण गाबा भी मौका-ए-वारदात पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और फोरेंसिक टीमें सबूतों की जांच कर रही हैं। अपनी मौत से पहले पोस्ट किए गए एक 'व्हाट्सऐप स्टेटस' में मानस ने आरोप लगाया कि उसने अपनी पत्नी को इसलिए मार डाला क्योंकि उसने उसे ''धोखा'' दिया था। उसने यह भी दावा कि दिव्या की बहन प्रज्ञा मिश्रा और उसके पति भरत यादव को इस मामले के बारे में सब कुछ पता था। पत्रकार और यूट्यूबर प्रज्ञा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि आईसीआईसीआई बैंक की जिस कर्मचारी को गोली मारी गई, वह उनकी बहन थी।

प्रज्ञा ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को टैग करते हुए एक पोस्ट में कहा, 'अभी-अभी फोन आया कि गोमतीनगर में मेरी बहन को गोली मार दी गयी है.....लोहिया में है, ईश्वर मेरी बहन की रक्षा करे।'' मानस के घर के पास रेस्तरां संचालित करने वाले एक व्यक्ति ने संवाददाताओं को बताया कि उसने पसीने से लथपथ मानस को बहुत तेजी से घर के अंदर आते देखा था। उसने कहा, ''मैंने उनसे (मानस) पूछा भी कि भैया क्या बात है, आप बहुत परेशान लग रहे हैं, लेकिन उन्होंने मुझसे कहा कि कुछ नहीं, बस दफ्तर के कुछ मसले हैं। फिर वह अंदर चले गए।''

टाटा समूह की कंपनी आईएचसीएल ने लखनऊ में ताज पैलेस होटल खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

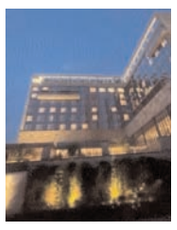

नई दिल्ली/भाषा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने लखनऊ में 181 कमरों वाला ताज पैलेस होटल खोला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को होटल का उद्घाटन किया। आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत चटवाल ने कहा, जैसे-जैसे भारत का आर्थिक और पर्यटन परिदृश्य लगातार विस्तृत हो रहा है, बुनियादी ढांचे के विकास, बढ़ते निवेश और पर्यटकों की बढ़ती संख्या से प्रेरित होकर लखनऊ जैसे शहर विकास के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। चटवाल ने कहा कि शहर में दूसरे ताज होटल की शुरुआत क्षेत्र की प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

झारखंड परीक्षा विवाद : नौकरी पर मंडराते संकट के बीच अभ्यर्थियों ने सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में हाल ही में भर्ती परीक्षाओं के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने वाले करीब 2,700 अभ्यर्थियों ने बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया। उन्होंने 22 परीक्षाओं को रद्द करने और 23 अन्य परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के आदेश से संबंधित अधिसूचनाओं को वापस लेने की मांग की। उन्होंने राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए कहा कि उन्होंने ये परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से पास की हैं और उसी के आधार पर उन्हें सरकारी नौकरियां मिली हैं। सरकार के ये आदेश भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के 25 दिनों से चल रहे आंदोलन के बीच आए हैं।

एक प्रदर्शनकारी ने बताया, करीब 2,700 लोगों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इनमें लगभग 2,000 अभ्यर्थी वे हैं, जिन्हें झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (जेएसएससी-सीजीएल) के जरिए सरकारी नौकरी मिली है। हम इन आदेशों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सरकार के इस फैसले को झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर की हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों की पहले उपेक्षा हुई, अब वे मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की ओर से ''घुसपैठ'' के हालिया दावों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों की पहले उपेक्षा की जाती थी लेकिन अब ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ''सर्वोच्च प्राथमिकता'' हैं।

रीजीजू ने पूर्व रक्षा मंत्री ए. के. एंटनी द्वारा 2013 में संसद में दिए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें एंटनी ने स्वीकार किया था कि भारत में सीमावर्ती क्षेत्रों को अविकसित रखने की नीति लंबे समय तक अपनाई गई थी, जिसके कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और क्षमताओं के विकास में चीन ने भारत को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, एंटनी ने उसी भाषण में यह भी स्पष्ट किया था कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के सत्ता में आने से 20-25 वर्ष पहले यह नीति बदल दी गई थी और उसके बाद से लगातार भारतीय सरकारें सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सैन्य क्षमताओं को मजबूत कर रही हैं। कांग्रेस नेता एंटनी ने दावा किया था कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने इन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 'सबसे अधिक' काम किया। लोकसभा में अरुणाचल पश्चिम का प्रतिनिधित्व करने वाले रीजीजू की यह टिप्पणी अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी क्षेत्र में ''चीनी सैन्य गतिविधियों'' को लेकर नये सिरे से चिंता जताए जाने के बीच आई है। रीजीजू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुछ लोगों ने सीमा को लेकर यूं ही टिप्पणी कर दी। सीमावर्ती इलाके दुर्गम हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मैं बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के लिए अरुणाचल प्रदेश के माजा, गालेमो और ताकसिंग इलाकों में गया था। सीमावर्ती क्षेत्रों की पहले उपेक्षा हुई लेकिन अब ये सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को लेकर कांग्रेस के रिकॉर्ड पर निशाना साधा। रीजीजू ने कहा, ''कांग्रेस नेताओं में ए. के. एंटनी जी बहुत ईमानदार थे। उन्होंने रक्षा मंत्री रहते हुए संसद में स्वीकार किया था कि कांग्रेस सरकार की नीति सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा नहीं बनाने की थी।''

यूजीसी के 2026 के समानता संबंधी विनियमों पर पुनर्विचार किया जा रहा है : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि शैक्षणिक परिसरों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित 2026 के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के समानता संबंधी नियमों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय ने 29 जनवरी को निर्देश दिया था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 को फिलहाल स्थगित रखा जाए। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष हुई।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया, यह यूजीसी के विनियमों से संबंधित मामला है। इस पर पुनर्विचार किया जा रहा है। पीठ ने यूजीसी को चार सप्ताह के भीतर एक विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इसके बाद, यदि कोई जवाब देना चाहें तो दो सप्ताह के भीतर प्रत्युत्तर (रिजॉइंडर) दाखिल कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय 2026 के विनियमों की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। उच्चतम न्यायालय ने 29 जनवरी को शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के लिए यूजीसी के हालिया समानता नियमों पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि यह प्रारूप प्रथम दृष्टया अस्पष्ट है, इसके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं तथा इसका प्रभाव खतरनाक रूप से समाज को विभाजित करने वाला भी हो सकता है। शीर्ष अदालत ने 2026 विनियमों के खिलाफ दायर तीन याचिकाओं पर केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा था। पीठ ने कहा था, हम अनुच्छेद 142 के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए निर्देश देते हैं कि 2012 के विनियमन अगले आदेश तक लागू रहेंगे। शुरुआत में, पीठ ने 2026 के विनियमों को लेकर चिंता व्यक्त की थी और विनियमन 3(1)(सी) के तहत जाति-आधारित भेदभाव की एक अलग परिभाषा की आवश्यकता पर सवाल उठाया, जबकि विनियमन 3(1)(ई) पहले से ही भेदभाव की एक व्यापक परिभाषा प्रदान करता है।

सुविचार

विनम्रता महानता की निशानी है। फलदार वृक्ष की तरह झुकें, अहंकार से दूर रहें, सबका सम्मान करें, यही सच्ची महानता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अद्‌भुत देश भारत!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय चुनाव प्रणाली की शक्ति एवं सामर्थ्य के बारे में की गई टिप्पणी के बाद ऐसे अनेक क्षेत्रों की चर्चा होना स्वाभाविक है, जिनमें भारत कई 'विकसित' देशों से बहुत आगे है। हमारे देश में साजिशन नकारात्मकता का बहुत प्रचार किया गया, इसलिए लोगों को इस बात पर आसानी से विश्वास नहीं होता है। भारत में कई लोगों को लगता है कि कथित विकसित देशों में हर कोई सुखी है, वहां सोना बरस रहा है और अपने देश की हर चीज खराब है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत में कुछ समस्याएं हैं, लेकिन ऐसा सिर्फ भारत में नहीं है। हर देश की अपनी समस्याएं हैं। अपनी तमाम समस्याओं के बावजूद, भारत खान-पान के मामले में स्वर्ग है। जितने पकवान यहां बनते हैं, उतने किसी देश में नहीं बनते हैं। यहां आज भी रोटी बहुत सस्ती है। फलों और सब्जियों का तो कहना ही क्या! गांवों-कस्बों में दस-बीस रुपए की ताजा सब्जी पूरा परिवार खा सकता है। ऐसा अमेरिका में संभव नहीं है। एक भारतीय नागरिक ने जापान में तरबूज का भाव पूछा तो हैरान रह गया। वहां एक मामूली तरबूज की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग एक हजार रुपए थी, जबकि उससे ज्यादा अच्छा तरबूज यहां बीस-तीस रुपए में बड़ी आसानी से मिल सकता है। गांवों में तो और सस्ता मिल सकता है। अमेरिका में एक किलो आलू की कीमत लगभग 200 रुपए है। भारत की सब्जी मंडियों में बीस-तीस रुपए किलो के भाव में अच्छे आलू मिल जाते हैं। अगर घर के किसी कोने में खाली जगह हो और वहां आठ-दस आलू यूं ही लगा दें तो धरती माता उन्हें कई गुना करके वापस देती है। ब्रिटेन में हरी सब्जियां बहुत महंगी बिकती हैं। अमरूदों के भाव बहुत ज्यादा होते हैं। वहीं, भारतीय मंडियां इन चीजों से भरी पड़ी हैं और कीमतें सामान्य हैं।

भारत में फरवरी के आखिर में जैसे ही गर्मी बढ़ने लगती है, कई लोग मौसम को कोसने लगते हैं। वे कहते हैं कि 'काश, हम किसी ठंडे मुल्क में पैदा होते तो बात ही कुछ और होती।' उन्हें एक बार रूस के याकुत्स्क का चक्कर लगाकर आना चाहिए। वहां माइनस पचास डिग्री से. तक तापमान चला जाता है। हर कहीं बर्फ ही बर्फ देखने को मिलती है। सर्दियां बहुत कठोर होती हैं। गर्मियों की अवधि छोटी होती है, जिसमें आलू, गाजर, पत्तागोभी, चुकंदर जैसी गिनती की सब्जियां उगा सकते हैं। सर्दियों में सब्जियां दूसरे इलाकों से मंगानी पड़ती हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। बाहर निकलने से पहले भारी-भरकम ऊनी कोट, दस्ताने, टोपी, जूते पहनने पड़ते हैं। अगर नहीं पहनेंगे तो शरीर का कोई हिस्सा सुन्न पड़ सकता है, जिसे बाद में हटाने की नौबत आ सकती है। एक पर्यटक का कान सुन्न पड़ गया था, जिसे तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी थी। अगर थोड़ी देर और हो जाती तो ज़िंदगीभर पछताते। भारत पर सूर्यदेव अपनी अपार कृपा बरसाते हैं। ठंडे देशों के लोग यहां आकर धूप सेकते हैं, ताकि तन-मन को थोड़ा सुकून मिले। अगर हमने इतनी धूप का सदुपयोग करने के लिए कोई तकनीक विकसित की होती तो आज ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होते। हमें एलपीजी सिलेंडरों के लिए विदेशों पर निर्भर नहीं होना पड़ता और हर साल अरबों डॉलर बचते सो अलग। भारत के तीज-त्योहार अर्थव्यवस्था को ऊर्जावान बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दीपावली पर दीपक, तेल और बाती से ही लाखों लोगों तक धन का प्रवाह हो जाता है। ऐसा अर्थशास्त्र कितने देशों के पास है? हमारे हर त्योहार का कोई-न-कोई वैज्ञानिक आधार जरूर होता है। हमें इन पर गर्व करना चाहिए। अगर हमारे नेता और अधिकारी गंभीरता एवं ईमानदारी से काम करें, जनता अपनी जिम्मेदारी ठीक ढंग से निभाए तो भारत सबसे समृद्ध और खुशहाल देश बन सकता है।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस वर्किंग कमेटी का 'वंदे मातरम' के पूरे गाने के बजाय सिर्फ़ दो लाइन गाने का फ़ैसला न सिर्फ़ देश विरोधी है, बल्कि पार्लियामेंट के बनाए क़ानून की खुली अवहेलना भी है।ङ्ग्ङ्ग1937 में, तुष्टीकरण के लिए, कांग्रेस ने ही 'वंदे मातरम' को दो हिस्सों में बाँट दिया था।

-अमित शाह

कांग्रेस ने हमेशा एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन को देश बनाने का एक ज़रूरी हिस्सा माना है। श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1972 के स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस से लेकर 'प्रोजेक्ट टाइगर' तक और संविधान में आर्टिकल 48- और 51-(स) जोड़कर, नेचर की सुरक्षा को एक कॉन्स्टिट्यूशनल ड्यूटी बनाया।

-अशोक गहलोत

कांग्रेस वर्किंग कमेटी द्वारा 'वंदे मातरम' के केवल दो छंद गाने का निर्णय एक बार फिर उनकी तुष्टीकरण की राजनीति को उजागर करता है। 1937 में भी कांग्रेस ने अपनी मूल भावना से समझौता किया था, और आज भी वही मानसिकता स्पष्ट है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

जीव का मूक प्रेम

महादेवी वर्मा एक बार मोटर दुर्घटना में घायल होकर कुछ दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती रहीं। इस दौरान उनकी पालतू गिलहरी गिल्लू, जिसे उन्होंने स्वयं मरणासन्न अवस्था से बचाकर पाला था, घर पर अकेली रह गई। जब भी महादेवी के कमरे का द्वार खोला जाता, गिल्लू अपने झूले से उतरकर तेज़ी से दौड़ती, किंतु द्वार पर किसी और को देखकर उसी तीव्रता से वापस अपने घोंसले में लौट जाती। घर के सभी लोग उसे प्रतिदिन उसका प्रिय भोजन काजू देने का प्रयास करते रहे। अस्पताल से लौटने पर जब महादेवी ने गिल्लू के झूले की सफाई की, तो उन्हें वहां काजू के दाने जमा मिले, लगभग अछूते। इससे यह प्रकट हुआ कि गिल्लू ने उन दिनों अपना प्रिय भोजन लगभग त्याग ही दिया था, मानो प्रतीक्षा और विरह में उसकी भूख ही मर गई हो।

महादेवी लौटीं तो गिल्लू अस्वस्थ लेखिका के तकिए के पास बैठकर अपने नन्हे पंजों से उनके सिर और बालों को सहलाने लगी, ठीक किसी समर्पित परिचारिका की भांति।

सामयिक

कश्मीर पर अमेरिका का बदलता रुख

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले जम्मू-कश्मीर दौरे में यहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद कश्मीर को भारत का अभिन्न और अहम भू-भाग बताया। ताकि सुरक्षा के लिहाज से सराहना की। अमेरिकी राजदूत का यह बयान अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के स्तर पर चौंकाने वाला होने के साथ अमेरिका और भारत के संबंधों में बदलाव का उल्लेखनीय संकेत है। लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका की स्थिति भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय विवाद के रूप में देखी जाती रही है। जिसे अकसर भारतीय प्रशासन वाले कश्मीर जैसे शब्दों से संबोधित किया जाता रहा है। ऐसे में एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक का यह दो टूक बयान कष्मीर की धरती पर देना इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर कष्मीर को लेकर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इस बयान से पाकिस्तान को तो झटका लगा ही है, चीन भी सकते में है।

याद रहे अमेरिका ने वर्ष 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के तात्कालिक पूर्वी लद्दाख और लेह को छोड़कर अपने नागरिकों को यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी हुई है। इस नसीहत को चौथी श्रेणी में रखा हुआ है। गोर ने फिलहाल इस यात्रा चेतावनी को कम करने का कोई संकेत नहीं दिया है, लेकिन उम्मीद है कि इस बिंदु पर अमेरिका यात्रा में छूट दे सकता है ? हालांकि उस समय धारा-370 बहाल थी और घाटी में आतंकी संकट की छाया छाई रहती थी। अगस्त 2019 में धारा-370 और 35-ए को भारत सरकार ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते विलोपित कर दिया, उसी के बाद से कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हालातों में निरंतर सुधार हो रहे हैं और पत्थरबाजी व अन्य आतंकी घटनाओं में कमी आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के एक दिन बाद ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उक्त चेतावनी की फिर से पुष्टि करते हुए नई एडवायजरी जारी कर दी थी। जो अभी भी लागू है। चूंकि गोर दक्षिण एशिया व मध्य एशियाई मामलों के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनकी कश्मीर यात्रा और दो टूक बयान की अपनी अलग अहमियत है। खासतौर पर तब जब पाकिस्तान के संबंध भी अमेरिका के साथ फिलहाल मधुर बने हुए हैं और अमेरिका ईरान से लड़े जा रहें युद्ध में पाकिस्तान को अपने हितों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। इस बयान से उमर अब्दुल्ला को भी बड़ा झटका लगा है। क्योंकि वे कुछ दिनों से धारा-370 की पुर्नबहाली की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जून-2026 में द हिंदू हडल (अंग्रेजी समाचार पत्र) सत्र के दौरान कहा था कि 2019 में 370 को हटाना भारत सरकार की सबसे बड़ी नीतिगत भूल थी। साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा और विशेष संवैधानिक अधिकारों की बहाली की भी मांग की थी।

पाकिस्तान धर्म की घुट्टी पिलाकर 35 साल से भारत पर आतंकी हमले करता रहा है। जबकि उसे सबसे मुकम्मल उत्तर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया गया था। लेकिन वह बाज नहीं आ रहा है। कुत्ते की पूंछ की तरह पाक की पूंछ टेढ़ी ही बनी हुई है। गैर-कश्मीरियों और हिंदुओं की हत्या के लिए उसकी क्रूरता समाप्त नहीं हो रही है। जाहिर है, पाकिस्तान भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बदले को भूल गया है। उसे एक बार फिर करारा जबाव देना होगा। दरअसल इस समय पाकिस्तान अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे आजादी के आंदोलन से भी जूझ रहा है। वहां भी उसने निर्ममता बरतते हुए सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों को भूनने का काम हाल ही में किया है। पाक की ये हरकतें इसलिए भी बरकरार हैं, क्योंकि ईरान हमले में उलझा अमेरिका उसकी पीठ थपथपाने में लगा है। ऐसे में भारत को अनेक कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को विवष करना पड़ रहा है। अब जाकर उसे कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका का दो टूक जवाब मिला है।

अनुच्छेद-370 हटने के बाद भी हालातों में सुधार नहीं हो पा रहा है, तो इसका एक बड़ा कारण मजहबी कट्टरता पर चोट नहीं कर पाना है। गोया, साफ है कि यह समस्या अब राजनैतिक व संवैधानिक नहीं रह गई है, बल्कि धार्मिक चरमपंथ के रूप में सामने आ रही है। इस हिंसक उन्माद का सोच पाकिस्तान से निर्यात आतंकवाद तो है ही, घाटी में कुकुरमुत्तों की तरह मस्जिदों और मदरसों में फैला, वह शिक्षा का तंत्र भी है, जो आतंक की फसल बोने और उगाने का काम करता है। यही वजह है कि जितने भी इस्लामिक देश हैं, उनमें न तो अल्पसंख्यकों का जनसंख्यात्मक घनत्व बढ़ रहा है और न ही उन्हें नागरिक समानता के अधिकार मिल रहे हैं। कश्मीर में भी जिहादी चाहते हैं कि गैर-मुस्लिम या तो इस्लाम स्वीकार करें या फिर घाटी छोड़ जाएं।

मुस्लिमों की इस दोषपूर्ण मंशा को संविधान निर्माण के समय ही डॉ भीमराव अंबेडकर ने समझ लिया था। शेख अब्दुल्ला ने जब जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने की मांग की तो अंबेडकर ने सख्त लहजे में कहा था कि आप चाहते हो कि भारत कश्मीर की रक्षा करे, कश्मीरियों की आर्थिक सुरक्षा करे, कश्मीरियों को संपूर्ण भारत में समानता का अधिकार मिले, लेकिन भारत और अन्य भारतीयों को आप कश्मीर में कोई अधिकार देना नहीं चाहते? मैं देश का कानून मंत्री हूं और मैं अपने देश के साथ कोई अन्याय या विश्वासघात किसी भी हालत में नहीं कर सकता हूं। विडंबना देखिए कि मुस्लिम समाज देश में हर जगह बृहद हिंदू समाज के बीच अपने को सुरक्षित पाता है, किंतु जहां कहीं भी हिंदु अल्पसंख्यक मुस्लिमों के बीच रह रहे हैं, उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। बावजूद नेहरू के अनावश्यक दखल से कश्मीर को विशेष दर्जा मिल गया। इस भिन्नता का संकट देश बंटवारे से लेकर अब तक भुगत रहा है। यही वजह है कि इस बंटवारे के बाद पाकिस्तान से जो हिंदू, बौद्ध, सिख और दलित शरणार्थी के रूप में जम्मू-कश्मीर में ही ठहर गए थे, उन्हें मौलिक अधिकार धारा-370 हटने के बाद मिल पाए हैं। इनकी संख्या करीब 70-80 लाख है, ये 56 शरणार्थी शिविरों में सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से महरूम रहते हुए बद से बदतर जिंदगी का अभिशाप धारा-370 हटने से पहले तक भोगते रहे हैं।

पहलगाम हमले के बाद जितने भी आतंकी हमले कश्मीर में हुए हैं, उनमें से ज्यादातर की जिम्मेदारी भी टीआरएफ ने ली थी। यह लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा संगठन है, जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों को ही अंजाम देता है। भारतीय सेना ने कोटली अब्बास में जिस आतंकी शिविरों को तबाह किया किया था, इसमें 1500 आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था। मुरीदके में जिस मरकज तैयबा को ध्वस्त किया गया था, यहां लष्कर का मुख्यालय माना जाता है। यहीं से मुंबई हमले का प्रमुख आतंकी अजमल कसाब ने प्रशिक्षण लिया था। इस जबाबी कार्यवाही के बाद भारत की कूटनीति अत्यंत सफल दिखाई दी थी, क्योंकि भारत का तत्काल अमेरिका, रूस और जापान ने खुलकर समर्थन किया था। यह समर्थन मोदी ने वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के लिए जो मुहिम चलाई हुई है, उसका परिणाम थी। अतएव इसमें कोई दो राय नहीं कि सीमापार स्थित ठिकानों से आतंकी गतिविधियां संचालित करने वाले संगठनों के खिलाफ सेना और सुरक्षाबलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। कश्मीर में आतंकी बने रहने का एक कारण यह भी है कि आतंकियों को मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम होने के कारण संरक्षण आसानी से मिल जाता है। यही कारण है कि रुक-रुककर आतंकी बिना किसी शोर-शराबे के मुस्लिम आबादी के बीच घुसपैठ करके हिंदुओं के विरुद्ध लक्षित हिंसा को परिणाम में बदलने में सफल हो जाते है। ऐसे हमलों में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। अब अमेरिकी राजनयिक के कथन के बाद संभव है आतंकी हमलों पर अंकुश लगे?

नजरिया

गठबंधन या मजबूरी का बंधन?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

वोटो के इस आंतरिक ध्रुवीकरण और वर्चस्व की मूक जंग में सबसे बड़ा पेंच मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर फंसा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस वर्ग ने बिना किसी दुविधा के, बेहद समझदारी से भाजपा को हराने के लिए एकमुश्त इस गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। परंतु अब, कांग्रेस को यह साफ दिखाई दे रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय और गैर-जाटव दलित मतदाता दोबारा अपने पुराने और पारंपरिक घर यानी कांग्रेस की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक शाश्वत नियम रहा है-यहाँ दिल्ली का रास्ता तो तय होता है, लेकिन प्रांतीय स्वाभिमान और क्षेत्रीय क्षत्रपों की महत्वाकांक्षाओं के टकराव में बड़े-से-बड़े राष्ट्रीय एजेंडे भी ध्वस्त हो जाते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने देश के सबसे बड़े राज्य में राजनीतिक चमत्कार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के 'अजेय रथ' की रफ्तार पर ब्रेक लगाया, तो देश भर के विपक्षी रणनीतिकारों को लगा कि उन्होंने भाजपा की चुनावी मशीनरी की अचूक काट ढूंढ ली है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी, जिसे 'यूपी के दो लड़के' कहकर प्रचारित किया गया, ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के एक नए सामाजिक समीकरण को जन्म दिया। इस समीकरण को जनता का भारी समर्थन मिला और गठबंधन ने राज्य की 80 में से 43 सीटों पर ऐतिहासिक विजय पताका फहराई। परंतु, राजनीति में जीत जितनी सुखद होती है, उसकी विरासत को संभालना और आगामी संघर्षों के लिए उसे अक्षुण्ण रखना उतना ही दुरूह कार्य होता है। आज, 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही, इस सफल गठबंधन की नींव हिलती हुई साफ दिखाई दे रही है। लखनऊ से लेकर दिल्ली के गलियारों तक यह चर्चा आम है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच 'सब कुछ ठीक नहीं है'। यह दरार अब केवल बंद कमरों की बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सार्वजनिक मंचों से लेकर सोशल मीडिया के अखाड़े तक खुलकर सामने आ रही है।

इस गहरे अविश्वास, जमीनी अंतर्विरोध और दोनों दलों के बीच जारी वर्चस्व की जंग का सबसे ताजा, ज्वलंत और चिंताजनक उदाहरण हाल ही में सहारनपुर में आयोजित 'दिशा' की आधिकारिक बैठक के दौरान देखने को मिला। जिला स्तर पर विकास कार्यों, प्रशासनिक तालमेल और स्थानीय जनसमस्याओं (विशेषकर एक नाले के निर्माण और विकास कार्यों की अनदेखी) की समीक्षा के लिए बुलाई गई इस उच्च स्तरीय बैठक में जो कुछ हुआ, उसने उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बहुत बड़ा यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है। बैठक के दौरान कांग्रेस के कद्दावर सांसद इमरान मसूद और समाजवादी पार्टी के स्थानीय विधायक आशु मलिक के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस विकास कार्यों के दायरे को लांघकर व्यक्तिगत आक्षेपों, सांगठनिक श्रेष्ठता की जंग और तू-तू मैं-मैं के अमर्यादित स्तर पर पहुंच गई। दोनों नेताओं के बीच करीब सात से आठ मिनट तक चली इस तीखी जुबानी जंग का वीडियो कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो गया। यद्यपि, राजनीति के तयशुदा व्याकरण के अनुसार, घटना के अगले ही दिन दोनों नेताओं और दोनों पार्टियों के प्रवक्ताओं ने भारी डैमेज कंट्रोल की कोशिशें शुरू कर दीं। यह बयान जारी किए गए कि यह महज जनप्रतिनिधियों के बीच स्थानीय विकास कार्यों को लेकर हुई एक सामान्य प्रशासनिक बहस थी और इसे राजनीतिक गठबंधन के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक और जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता अच्छी तरह जानते हैं कि सियासत में इस तरह के सार्वजनिक और तीखे टकराव कभी भी महज प्रशासनिक मतभेद नहीं होते। यह वाकया उस ज्वालामुखी का एक छोटा सा विस्फोट है जो पिछले कई महीनों से दोनों पार्टियों के प्रांतीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के दिलों में सुलग रहा था। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि लोकसभा चुनाव में शीर्ष स्तर पर जो सामंजस्य और आपसी समझ दिखाई दे रही थी, वह जमीन पर जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक कभी पहुंची ही नहीं। सहारनपुर की यह घटना इस बात का प्रामाणिक दस्तावेज़ है कि दोनों दलों के नेता एक-दूसरे को सहयोगी कम और अपनी राजनीतिक जमीन का अतिक्रमण करने वाला प्रतिद्वंद्वी ज्यादा मान रहे हैं।

इस रार और अविश्वास की जड़ें केवल स्थानीय मुद्दों या किसी नाले के निर्माण तक सीमित नहीं हैं। इसकी असली वजह 2027 की चुनावी बिसात पर अपनी-अपनी ताकत दिखाने और भविष्य की सरकार में अपनी हिस्सेदारी तय करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। 2024 की सफलता के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर एक नए आत्मविश्वास का संचार हुआ है। पार्टी के रणनीतिकार, नए सांगठनिक प्रभारी और प्रांतीय नेता अब राज्य में खुद को समाजवादी पार्टी के 'जूनियर पार्टनर' या 'पिछलग्गू' के रूप में देखने को कतई तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के भीतर से लगातार यह मांग उठ रही है और सार्वजनिक मंचों से यह बयान दिए जा रहे हैं कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी से कम पर कोई समझौता नहीं करेगी। पार्टी के भीतर एक बड़ा धड़ा साफ तौर पर कम से कम 150 सीटों पर अपनी मजबूत दावेदारी ठोक रहा है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर हुई वापसी, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' और उनके द्वारा तैयार किए गए नैरेटिव के बिना उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को अकेले दम पर 37 सीटें मिलना किसी भी सूरत में संभव नहीं था। कांग्रेस का मानना है कि मुस्लिम और दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी के चेहरे और कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष साख को देखकर इस गठबंधन की ओर आकर्षित हुआ था। इसलिए, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उसका वाजिब हक मिलना ही चाहिए, क्योंकि उनके बिना राज्य में भाजपा-विरोधी कोई भी सरकार नहीं बन सकती। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी खुद को उत्तर प्रदेश में भाजपा-विरोधी और धर्मनिरपेक्ष राजनीति का 'बड़ा भाई' और एकमात्र वास्तविक विकल्प मानती है। अखिलेश यादव और उनके रणनीतिकारों का स्पष्ट मानना है कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर वास्तविक संगठन, समर्पित कैडर, बूथ मैनेजमेंट और सांगठनिक मशीनरी केवल और केवल समाजवादी पार्टी के पास है।

वोटो के इस आंतरिक ध्रुवीकरण और वर्चस्व की मूक जंग में सबसे बड़ा पेंच मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर फंसा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस वर्ग ने बिना किसी दुविधा के, बेहद समझदारी से भाजपा को हराने के लिए एकमुश्त इस गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। परंतु अब, कांग्रेस को यह साफ दिखाई दे रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय और गैर-जाटव दलित मतदाता दोबारा अपने पुराने और पारंपरिक घर यानी कांग्रेस की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इसी मुस्लिम-दलित-सवर्ण गठजोड़ के पुराने फॉर्मूले को पुनर्जीवित कर अपने खोए हुए राजनीतिक साम्राज्य को बहाल करना चाहती है।

इसके उलट, समाजवादी पार्टी अपने इस मुख्य आधार-जिसके दम पर वह राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बनी हुई है-को किसी भी कीमत पर अपने हाथ से खिसकने नहीं देना चाहती। सपा को डर है कि यदि मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस की तरफ शिफ्ट हो गया, तो उसका क्षेत्रीय क्षत्रप और राज्य की राजनीति का मुख्य ध्रुव होने का दर्जा हमेशा के लिए खतरे में पड़ जाएगा। सहारनपुर की घटना और उसके बाद इमरान मसूद जैसे नेताओं के तीखे बयान इसी वोट बैंक पर अपने-अपने प्रभाव को साबित करने की एक अघोषित और आक्रामक जंग का हिस्सा हैं।

यह बात को प्रमुखता से रेखांकित होती है कि शीर्ष स्तर पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव की आपसी केमिस्ट्री चाहे जितनी भी मजबूत, सौहार्दपूर्ण और परिपक्व दिखाई दे, जमीन पर व्यावहारिक राजनीति केवल व्यक्तिगत दोस्ती या मुस्कुराती हुई तस्वीरों से संचालित नहीं होती। व्यावहारिक राजनीति हमेशा कार्यकर्ताओं की महत्वाकांक्षाओं, स्थानीय नेताओं के अस्तित्व के संकट और क्षेत्रीय सामाजिक समीकरणों से संचालित होती है। शीर्ष स्तर के नेता भले ही दिल्ली या लखनऊ में बैठकर बंद कमरों में कोई समझौता कर लें, लेकिन जब तक बूथ स्तर पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं का दिल नहीं मिलेगा और वोटों का ट्रांसफर पूरी ईमानदारी के साथ एक-दूसरे के पक्ष में नहीं होगा, तब तक किसी भी गठबंधन की सफलता केवल एक किताबी कल्पना ही रहेगी।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ब्रिटेन और अमेरिका की दस दिनों की यात्रा पर लंदन पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ब्रिटेन एवं अमेरिका की दस दिन की यात्रा के प्रथम चरण में बृहस्पतिवार को लंदन पहुंचे। राज्य सरकार ने इसकी जानकारी दी। राज्य सरकार के अनुसार, ब्रिटेन में रेड्डी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एवं अमीरात स्टेडियम जाने का कार्यक्रम है। रेड्डी अमीरात स्टेडियम में इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल से संबंधित एक प्रस्तुति में शामिल होंगे। ब्रिटेन दौरे के दौरान रेड्डी का कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, लंदन विश्वविद्यालय एवं लंदन बिजनेस स्कूल (एलबीएस) में संवाद एवं अन्य कार्यक्रमों की योजना है।

इसके बाद मुख्यमंत्री अगले हफ्ते अमेरिका जायेंगे, जहां वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय और मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) के परिसर का दौरा करेंगे। उनका 25 अगस्त को बॉस्टन में 'वर्जीनियां टेक यूनिवर्सिटी' के एक दल के साथ संवाद का कार्यक्रम है। कुछ आधिकारिक भेंटवार्ताओं के अलावा, न्यूयॉर्क में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) की अमेरिकी इकाई द्वारा आयोजित प्रवासी भारतीयों के साथ एक मुलाकात का कार्यक्रम भी रेड्डी के अमेरिका दौरे के एजेंडे में शामिल है। इससे पहले, बृहस्पतिवार तड़के नई दिल्ली हवाई अड्डे पर कांग्रेस सांसद मल्लू रवि और राज्य सरकार के प्रोटोकॉल मामलों के सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल ने उन्हें विदा किया। रेड्डी बुधवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए थे।

जर्मनी में भीषण तूफान से एक महिला की मौत, दो घायल

बर्लिन/एपी। जर्मनी के कई हिस्सों में रातभर आए तेज तूफान से भारी नुकसान हुआ, एक महिला की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य लोग घायल हो गए। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने बृहस्पतिवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिमी राज्य राइनलैंड-पैलेटिनेट के वाल्डोर्फ में एक महिला पर पेड़ गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 58 और 47 वर्षीय दोनों महिलाएं साथ चल रही थीं, तभी तूफान आ गया। तूफान से बचने के लिए दोनों ने एक स्थान पर शरण ली। इसी दौरान एक पेड़ उखड़कर उसी स्थान पर गिर गया और दोनों उसकी चपेट में आ गईं। हादसे में 58 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 47 वर्षीय महिला को अस्पताल ले जाया गया। डीपीए के अनुसार, बर्लिन से 78 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित फुर्स्टेनवाल्डे में बवंडर आया। इससे कई इमारतों की छतें उड़ गईं और पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। पश्चिमी जर्मनी के वेस्टरवाल्ड जिले के होर-ग्रेंजहाउजेन में भी तूफान ने इमारतों को नुकसान पहुंचाया, जिससे उनकी दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं।

प्रदर्शन

जादवपुर विश्वविद्यालय में एसएफआई और अन्य वामपंथी छात्र संगठनों के साथ हुई झड़प के बाद, कोलकाता में विश्वविद्यालय गेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को रोकती पुलिस।

फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा बनाएंगे महात्मा गांधी पर फिल्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा भारत के स्वतंत्रता के इतिहास से जुड़े एक कम चर्चित 21 दिनों के अध्याय पर फिल्म बनाने जा रहे हैं, जिसमें मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी की भूमिका निभाएंगे। इस नई फिल्म का निर्देशन सुधीर मिश्रा करेंगे। सुधीर 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी', 'धारावी' और 'इस रात की सुबह नहीं' जैसी राजनीतिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वहीं,

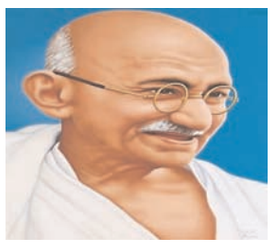

'मुल्क', 'आर्टिकल 15' और 'थप्पड़' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले अनुभव सिन्हा अपने बैनर 'बनारस मीडिया वर्क्स' के तहत इस फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म में सौरभ शुक्ला सहित कई बेहतरीन कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार, ''यह नई फिल्म इतिहास के एक महत्वपूर्ण लेकिन कम चर्चित अध्याय पर केंद्रित है, जो कि भारत की स्वतंत्रता के दौरान महात्मा गांधी के जीवन के 21 दिन को दिखाती है। ऐसे समय में जब देश आजादी की दहलीज पर कदम रख रहा था और दिल्ली सत्ता का केंद्र बन रही थी, गांधी ने वहां से दूर जाने का एक अप्रत्याशित फैसला किया।'' मिश्रा ने एक बयान में कहा, लेकिन वहां से दूर जाकर उन्होंने पीछे हटने का काम नहीं किया, बल्कि खुद को नए सिरे से परिभाषित किया। इतिहास की किताबें भले ही उस दौर की सामान्य घटनाओं को दर्ज करती हैं।

कैंसर की वजह बताएगा एआई मंच

नई दिल्ली/भाषा। कैंसर क्यों होता है? दिल्ली के इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता इस अहम सवाल का जवाब तलाशने की दिशा में एक कदम आगे बढ़े हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित एक मंच तैयार किया है, जो डीएनए को हुए नुकसान को समझने और यह पता लगाने में मदद करता है कि कैंसर की शुरुआत किन कारणों से हुई। शोधकर्ताओं के मुताबिक, 'म्यूटएआईवर्स' जनरेटिव एआई पर आधारित अपनी तरह का पहला मंच है। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी में सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित 27 मरीजों पर परीक्षण के दौरान 'म्यूटएआईवर्स' ने तंबाकू के सेवन को बीमारी की जड़ के रूप में पहचाना।

'जनरेटिव एआई' एक ऐसी प्रौद्योगिकी है, जिसे बड़ी मात्रा में डेटा के आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। यह चित्र, ऑडियो और वीडियो समेत अन्य सामग्री तैयार कर सकता है तथा उपयोगकर्ता के प्राकृतिक भाषा में दिए गए निर्देशों

का जवाब दे सकता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने कहा कि एआई भले ही कैंसर के उभार को समझने के लिए अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराता है, लेकिन अपने मौजूदा स्वरूप में यह पक्के तौर पर साबित नहीं करता कि किसी खास चीज के संपर्क में आने से डीएनए को हुआ नुकसान ही कैंसर का कारण बना। शोध दल में गुवाहाटी स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के शोधकर्ता भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने कहा कि उनका शोध केवल बीमारी की पहचान तक सीमित रहने के बजाय उसके कारणों पर ध्यान केंद्रित करता है और यह एक उपयोगी जांच उपकरण साबित हो सकता है। मुख्य शोधकर्ता और आईआईआईटी-दिल्ली के कंप्यूटेशनल बायोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर गौरव आहूजा ने पीटीआई-भाषा' से कहा, कोई भी इस बात पर चर्चा नहीं करता कि कैंसर किस वजह से हुआ।

आप किस चीज के संपर्क में आए? क्या आप प्रदूषण के संपर्क में थे? क्या आप दूषित पानी के संपर्क में थे? या फिर आप सिगरेट के धुएं के संपर्क में थे? इसकी जानकारी आपको कोई नहीं देता। उन्होंने कहा कि हम जिस वातावरण में रहते हैं, वहां हम लगातार कई तरह के रसायनों के संपर्क में आते रहते हैं, जो डीएनए में बदलाव पैदा कर सकते हैं।

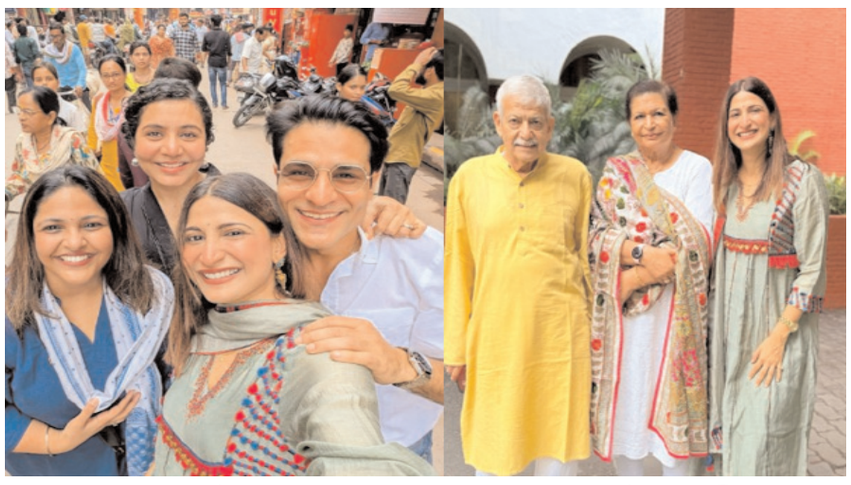

श्रावण में अहाना कुमरा ने परिवार संग किए काशी विश्वनाथ के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अहाना कुमरा ने हाल ही में परिवार और दोस्तों के साथ वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की झलक शेयर की। अभिनेत्री ने बताया कि उनके कुछ दोस्तों की वजह से ये खास यात्रा सफल हो पाई। अभिनेत्री अहाना कुमरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने माता-पिता, अभिनेता सनी हिंदुजा, उनकी पत्नी शिंजिनी रावल के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि काशी में उनके पिता का पुराना घर भी है, जिस वजह से यात्रा और भी खास हो गई थी। अभिनेत्री ने लिखा, कुछ यात्राएं सिर्फ यात्रा नहीं होतीं, बल्कि आशीर्वाद होती हैं। श्रावण मास में मम्मी-पापा के साथ काशी विश्वनाथ में महादेव का आशीर्वाद लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

अहाना कुमरा ने बताया कि काशी में उनका पैतृक घर है, जिसे देख पिता की पुरानी यादें फिर से जीवंत हो गईं। अभिनेत्री ने लिखा, चूंकि वाराणसी में पापा का घर है, तो उनका बचपन आंखों के सामने जिंदा हो गया। पापा को ऐसे खुश देखकर ये सफर और भी ज्यादा खास बन गया। वहां पापा के साथ में घूमना, पूजा करना और इस तरह की हसीन यादें बनाना, तो मानो ऊपर वाले की ओर से दिया गया सबसे अच्छा तोहफा है।अहाना कुमरा ने अभिनेता सनी हिंदुजा, उनकी पत्नी शिंजिनी रावल, अभिषेक जालन और सुद्धी जग्गी कपूर को उनकी यात्रा को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, और ये सब मेरे भांजे के बर्थडे वाले दिन हुआ, तो और भी जादू जैसा लगा। मैं दिल से आभारी हूं आप सबकी और ऊपर वाले की। कुछ आशीर्वाद ऐसे होते हैं जिन्हें हमेशा दिल में संभाल कर रखना चाहिए। हर हर महादेव। अभिनेत्री अहाना कुमरा एक प्रतिष्ठित परिवार से आती हैं। उनके पिता सुशील कुमरा ल्यूपिन लिमिटेड (दवा क्षेत्र की जानी-मानी कंपनी) के पूर्व उपाध्यक्ष हैं, जबकि मां सुरेश कुमरा वाराणसी की पूर्व डीएसपी रह चुकी हैं। उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

रॉकिंग स्टार यश ने टॉक्सिक पर कहा: यह बड़ों के लिए एक फेयरी टेल है, हमने इसे बच्चों के लिए नहीं बनाया है

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई रॉकिंग स्टार यश ने अपनी फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर खुलकर बात की और बताया कि दर्शकों को इस फिल्म से क्या उम्मीद रखनी चाहिए। यश के मुताबिक, यह फिल्म सिर्फ एक पारंपरिक कहानी नहीं है, बल्कि इंसानी फितरत के उन गहरे और असहज पहलुओं को भी सामने लाती है, जिन्हें आमतौर पर कहानियों में ज्यादा नहीं दिखाया जाता। यश ने ये बातें राजत शर्मा के शो आप की अदालत में अपनी मौजूदगी के दौरान साझा कीं।टॉक्सिक के बारे में बात करते हुए, यश ने कहा कि उनके किरदार की हर परत को पूरी सच्चाई के साथ दिखाना बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा, कहानी जहाँ भी पहुँचेगी, इस किरदार की हर परत तक जाना जरूरी है। और मेरे लिए ऐसी कहानी को सबसे प्रामाणिक तरीके से बताया जाना चाहिए। यह एक इंसान के तौर पर मेरे दायरे से भी आगे की बात है।यश ने फिल्म की टैगलाइन ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स पर भी बात की और बताया कि यह टैगलाइन ही दर्शकों को फिल्म के अंदाज और कहानी का एक साफ संकेत देती है। उन्होंने कहा, जब से

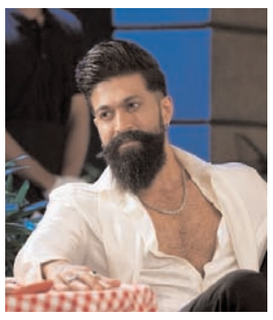

मैंने इसका टाइटल रखा है, तभी उसके नीचे टैगलाइन भी रखी है। यह बड़ों के लिए एक फेयरी टेल है।

फिल्म के दर्शकों को लेकर यश ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि टॉक्सिक बच्चों के मनोरंजन के लिए नहीं बनाई गई है। उन्होंने कहा, बच्चों को यह फिल्म नहीं देखनी है। यह फिल्म बच्चों के लिए नहीं बनाई गई है। सारे बच्चे घर पर ही रहें। यह बिल्कुल साफ है। हमने इसे बच्चों के लिए नहीं बनाया है। यश के लिए टॉक्सिक एक जटिल और कई परतों वाली कहानी है, जिसे दर्शक अपने नजरिए से समझ और महसूस कर सकते हैं। फिल्म के किरदारों और उनकी दुनिया को देखने का अनुभव हर दर्शक के लिए अलग हो सकता है। टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स दुनियाभर में 26 अगस्त, 2026 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

जागरूकता

नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मानसिक स्वास्थ्य, सहनशीलता और भावनात्मक कल्याण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दिल्ली से कन्याकुमारी तक आयोजित मोटरसाइकिल रैली 'ए राइड फॉर रेजिलियंस' और 'बियॉन्ड द हॉराइजन' के लॉन्च में शामिल हुईं बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिला टैगोर।

फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं : कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।उन्होंने आगे लिखा, यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है। अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं। हालांकि, इस बीच फिल्म की पूरी टीम कियारा के साथ नजर आई। वहीं, कियारा का मानना है कि यह बोल्ड और मजबूत किरदार उनके अभिनय करियर का एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म में यश (डबल रोल - राया और रूमी), कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार नजर आएंगे।

'धुरंधर' के बाद अक्षय खन्ना का 'महाकाली' में शुक्राचार्य अवतार, 24 को सामने आएगी पहली झलक

मुंबई/एजेन्सी

'हनु-मान' की जबरदस्त सफलता के बाद फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा अपने बहुप्रतीक्षित सिनेमाई यूनिवर्स के अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज़ ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, 24 अगस्त द एंड बिगिन्स। ऐसे में माना जा रहा है कि वे 24 अगस्त को 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं। यह झलक दर्शकों को इस बहुप्रतीक्षित भारतीय इतिहासनिष्ठ सिनेमाई स्पेक्टेकल की पहली झलक देगी। यह भी माना जा रहा है कि अपने चुने हुए किरदारों से लगातार दर्शकों को चौंकाने के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाते नजर आनेवाले हैं। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा और उत्सुकता पैदा कर चुका है। अब उनकी पहली झलक से दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य शक्ति और जटिल व्यक्तित्व से परिभाषित एक बेहद महत्वपूर्ण पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना द्वारा निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है।

'हनु-मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएँगे। 'हनु-मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली वास्तविक झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है।

'महाकाली', 'हनु-मान' के बाद प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आरके दुग्गल द्वारा प्रस्तुत और रिवाज़ रमेश दुग्गल के प्रोडक्शन में आरकेडी स्टूडियोज़ के बैनर तले बन रही इस फिल्म के क्रिएटर प्रशांत वर्मा हैं, जबकि पूजा अपर्णा कोल्लुरु इसका निर्देशन कर रही हैं।

फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ भूमि शेट्टी, रोहित सराफ और कई अन्य प्रमुख कलाकार नजर आनेवाले हैं। भव्य सिनेमाई स्तर पर तैयार की जा रही 'महाकाली' में शक्तिशाली भारतीय इतिहासनिष्ठ कथानक, शानदार विजुअल्स, विस्तृत वर्ल्ड-बिल्डिंग और बड़े पैमाने की कहानी के जरिए दर्शकों को एक इमर्सिव बड़े पर्दे का अनुभव देने का वादा किया गया है।

समय रहते धर्म, दान और पुण्य अर्जित कर लें : डॉ समकितमुनि

योगीराज फूलचंद महाराज के दीक्षा शताब्दी वर्ष का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में गुरुवार को डॉ. समकित मुनिजी के पावन सान्निध्य में संघ संरक्षक, योगीराज फूलचंद महाराज के दीक्षा शताब्दी वर्ष का मंगल शुभारंभ किया गया।

इस मौके पर समकित मुनि जी ने फूलचंद महाराज के महान, दैदीप्यमान, बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डाला। मुनिश्री ने स्वामी फूलचंद के जन्मस्थान अमीनगर सराय (उत्तर प्रदेश) का उल्लेख करते हुए बताया कि महामारी के कठिन दौर में उन्होंने अपनी मां, दादी एवं बड़े भाई को खो दिया था। इसके बावजूद उन्होंने अपने व्यक्तिगत दुखों को पीछे छोड़कर अपना संपूर्ण जीवन संघ, समाज, जिनशासन एवं मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। यादव वंश में जन्मे स्वामी फूलचंद ने मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में दीक्षा स्वीकार कर संयम के मार्ग को अपनाया।

डा. समकित मुनि जी ने कहा कि वे जैन शासन एवं मानवता के लिए प्रेरणास्रोत और मसीहा बनकर उभरे। मनुष्य को धर्म, जिनवाणी श्रवण, दान एवं पुण्य अर्जित करने के अवसर को टालना नहीं चाहिए। समय रहते धर्माराधना कर लेनी चाहिए, क्योंकि कल का कोई भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मनुष्य अक्सर अच्छे कार्यों को कल पर टालता रहता है, लेकिन जीवन का अगला क्षण भी निश्चित नहीं है, इसलिए धर्म और पुण्य के कार्यों के लिए आज ही संकल्प लेना चाहिए।

इस मौके पर चेन्नई से आए श्रद्धालुओं का समिति के सदस्यों ने सम्मान किया। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने 12 व्रतों के पचक्खान ग्रहण किए। जयवंतमुनिजी ने फूलचंद महाराज के दीक्षा शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनके गुणों का स्मरण करते हुए गीत की प्रस्तुति दी। संचालन जम्बू कुमार दुगड़ ने किया।

गुरु कृपा चातुर्मास में भक्ति व श्रद्धा से मनाया गया पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति द्वारा आयोजित गुरुकृपा चातुर्मास में गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक अत्यंत भक्ति भाव पूर्वक मनाया गया। गुरुवार को प्रातः गोड़वाड़ भवन में निर्मित चल जिनमंदिर में वरकाणा पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक मंत्रों के साथ 108 अभिषेक करवाए गए। प्रवचन के पश्चात निर्वाण लड्डू परमात्मा के समक्ष चढ़ाया गया। लड्डू चढ़ाने का लाभ उद्यतम चढ़ावा बोलकर बाबूलाल महावीरचंद जीरावला परिवार ने प्राप्त किया।

दैनिक प्रवचन में मुनि श्री मोक्षानंद विजयजी ने कहा कि पारस पत्थर लोहे को स्पर्श देकर सोने का तो बनाता है किंतु पत्थर को अपने समान पारस नहीं बना सकता। हमारे पार्श्वनाथ परमात्मा तो ऐसे पारस हैं जिनका यदि सम्यक रीति से हम स्पर्श कर लें तो वो हमें अपने समान परमात्मा बना लेंगे। पूर्व के दस जन्मों में पार्श्वनाथ जी की आत्मा ने उन पर वैर के अंगारे बरसाने वाले कमठ पर निरंतर क्षमा की जलधारा ही बरसाई। हर जन्म में छोटे-बड़े अनेक उपसर्गों को अत्यंत समता भाव से सहन किया।

उन्होंने कहा, प्रभु पार्श्व का जीवन हमें हर स्थिति में शांति , समता और क्षमाभाव रखने की प्रेरणा प्रदान करता है। हमें कभी भी किसी भी जीव के प्रति वैर विरोध की गांठे नहीं बांधनी हैं। मेघमाली ने पार्श्वनाथ भगवान पर मूसलाधार जल बरसाया लेकिन प्रभु ने उसके प्रति रंचमात्र भी द्वेष भाव नहीं रखा। धर्म हमें राग-द्वेष से दूर रहने की कला तो सिखाता ही है, साथ ही आत्म धर्म में स्थिर रहने की शक्ति भी प्रदान करता है। वर्तमान चौबीस तीर्थंकरों में से मात्र 250 वर्षों का सबसे कम शासन काल प्रभु पार्श्वनाथ का होते हुए भी सबसे ज्यादा महिमा और प्रभाव उन्हीं का व्याप्त है।

मोक्षानंदविजयजी ने कहा, झारखंड में स्थित सम्मेत शिखर पर्वत पर 33 मुनियों के साथ उन्होंने एक महीने के उपवास करके सर्व कर्मों को क्षय किया और सदा सदा के लिए जन्म मरण से मुक्त होकर मोक्ष पद को प्राप्त कर लिया । उन्होंने कहा, प्रभु पार्श्व की आराधना से जीवन में शांति, अंतिम समय में समाधि , परभव में सद्गति और परम्परा से परम पद की प्राप्ति अवश्य होती है।

इच्छाओं से मुक्ति ही स्थायी सुख का मार्ग : संतश्री वीरमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि आध्यात्मिक मार्ग कठिन नहीं है, बल्कि मनुष्य की अनियंत्रित इच्छाएं ही उसके जीवन को कठिन बनाती हैं। सामान्यतः मनुष्य सांसारिक जीवन को सहज और संयम एवं त्याग के मार्ग को कठिन मानता है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। संसार में इच्छाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य निरंतर प्रयास करता रहता है, लेकिन इच्छाओं की पूर्ति से मिलने वाला सुख क्षणिक होता है। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी इच्छा जन्म लेती है। उन्होंने समझाया कि इच्छा अग्नि के समान है, उसे भोग रूपी ईंधन देने से वह शांत नहीं होती, बल्कि और अधिक तीव्र होती जाती है। मुनिश्री कहा कि जिस प्रकार व्यक्ति किसी कार्य में निवेश करने से पहले उसके लाभ-हानि और परिणाम का आंकलन करता है, उसी प्रकार उसे अपने जीवन की दिशा का भी मूल्यांकन करना चाहिए।मुनिश्री ने कहा कि जिसे हम अक्सर सुख समझते हैं, वह कई बार केवल किसी असुविधा या आवश्यकता से मिली अस्थायी राहत होती है। भूख लगने पर भोजन करना, प्यास लगने पर पानी पीना या किसी इच्छा की पूर्ति होने पर प्रसन्न होना-इन अनुभवों को स्वतंत्र एवं स्थायी आनंद नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि जब तक सुख किसी बाहरी वस्तु, परिस्थिति या इच्छा की पूर्ति पर निर्भर है, तब तक वह स्थायी नहीं हो सकता। वास्तविक सुख तब प्रारंभ होता है, जब व्यक्ति बाहरी विषयों पर निर्भरता से ऊपर उठकर अपने भीतर के आनंद को पहचानता है।

हजारों वर्ष प्राचीन पार्श्वनाथ की प्रतिमाएं हैं इतिहास की अमर धरोहर : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। शहर के महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में आयोजित विमल वर्षावास में गुरुवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा, आज से अट्ठाइस सौ दो वर्ष पूर्व 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ को झारखंड के सम्मेदशिखर पर्वत पर निर्वाण की प्राप्ति हुई थी इसलिए उसे पार्श्वनाथ पर्वत कहा जाता है। केवलज्ञान के उद्योत में उन्होंने मानवजाति के कल्याण के उपदेश दिए थे। अपने साधना काल में उन्होंने लाखों लोगों को पापमुक्त कर सुख-शांति और अध्यात्म का मार्ग बताया था। वाराणसी के तत्कालीन क्षत्रिय नरेश अश्वसेन के घर पार्श्वनाथ का जन्म हुआ था। तीस वर्ष की युवावस्था में उन्होंने गृहत्याग कर संन्यास ग्रहण किया था। उनकी कुल आयु सौ वर्ष की थी। उनकी उपासक जागृत दैविक शक्तियां धरणेन्द्र, पद्मावती, वैरोट्या और पार्श्वयक्ष की साधनाओं के हजारों चमत्कार शास्त्रों में वर्णित हैं। अंबिका माता की तरह जागृतज्योति स्वरूपा पद्मावती देवी मातृशक्तियों में विशिष्ट मानी जाती हैं। तंत्र और मंत्र साधनाओं में उनका महत्वपूर्ण स्थान है, यह साधकों के लिए रोचक विषय हैं।

संघ के तत्वावधान में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा गुरुवार को आयोजित 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्ष-उल्लास के साथ मनाया गया।

गणिवर्य पद्मविमलसागरजी ने बताया कि देश के विभिन्न प्रांतों में अवस्थित पार्श्वनाथ के प्राचीन 108 तीर्थों के चित्रों को महोत्सव में स्थापित किया गया था। विविध मंत्रों और मुद्रा विधानों से 108 तीर्थों की पूजा की गई।

तेजराज शर्मा ने माध्यम गौशाला में गौसेवार्थ दिया अर्थ सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में माध्यम गौशाला का वार्षिकोत्सव मनाया गया। गौपूजन व भगवान श्रीकृष्ण की पूजा से कार्यक्रम शुरू हुआ। इस मौके पर गौशाला में गौ ग्रास हेतु शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष तेजराज शर्मा द्वारा एक लाख एक सौ ग्यारह रुपये भेंट किए गए तथा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर तेजराज शर्मा ने कहा कि गाय को सनातन धर्म मे गौ माता का दर्जा दिया गया है इसके पूजन एवं सेवा से तैतीस कोटि देवी देवताओं के पूजन का लाभ मिलता है।गौशाला संस्थापक सुनील-संतोष शर्मा ने गौशाला परिसर में प्रसाद निर्माण हेतु पक्के रसोई घर के निर्माण का शिलान्यास भी किया।

मोक्ष की अभिलाषी आत्मा के लिए जिनवाणी अमृत समान : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने परमात्मा पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक दिवस के अवसर पर कहा कि परमात्मा ने जिनको अपना संसार में आवागमन परिगमन मिटाना है उन सभी को जिनवाणी का अमृतपान करवाया, मोक्ष की अभिलाषी आत्मा के लिए जिनवाणी अमृत समान है। संसार में रत आत्माएं जिनवाणी एक तरफ से सुनकर दूसरी तरफ से निकाल देती हैं। जैन धर्म एक समय में पूरे विश्व में व्याप्त था, आज वह बहुत ही अल्प मात्रा में रह गया है। इसका मुख्य कारण हमारा प्रमाद है। चातुर्मास काल के चार महीनों में श्रावण मास में श्रावण वदी 3 को श्रेयांसनाथ भगवान का, श्रावण सुदी अष्टमी पार्श्वनाथ भगवान का, भादरवा वदी सप्तमी को चन्द्र प्रभु भगवान का, भादरवा सुदी नवमी सुविधिनाथ भगवान का और कार्तिक वदी अमावस्या को महावीर स्वामी परमात्मा का मोक्ष कल्याणक आता है। आज ही के दिन पार्श्वनाथ परमात्मा का मोक्ष शुक्ल ध्यान में रमण करते हुए सम्मेतशिखर जी की पार्श्वनाथ टुंक पर हुआ था। आज हमें पार्श्वनाथ परमात्मा के दस भवों के जीवन पर चिंतन करना है।

स्व की पहचान से ही आत्मकल्याण संभव : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि साधक का लक्ष्य सम्यक दर्शन को प्राप्त करने का होना चाहिए, जिससे उसके मोक्ष का दरवाजा खुल जाए। समकित को पाने पर ही अपनी आत्मा की सही पहचान हो सकेगी। स्व की पहचान से ही साधक आत्मा का कल्याण संभव है। पहले जिस आत्म तत्व को जाना नहीं, जिसे पाया नहीं और जिसे साधा नहीं उस आत्मतत्व की सही पहचान करना ही हमारी साधना का लक्ष्य होना चाहिए। साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आचरांग सूत्र के माध्यम से कहा कि दया, करुणा, विवेक आदि गुण हमारे भीतर ही आत्मा में विद्यमान है। बस आवश्यकता है उन ज्ञान, दर्शन, चारित्रमय गुणों को गुरु का अवलंबन लेकर उन आत्मगुणों को साधना, स्वाध्याय, सत्संग के माध्यम से प्रकट करने की। मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

जल्दबाजी में किया गया कार्य कभी पूरा नहीं होता : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें धैर्य रखना चाहिए। जल्दबाजी में किया गया कार्य कभी पूरा नहीं होता है, संयम से काम करना होता है। जल्दबाजी में किया हुआ कार्य सुधरने के बजाय बिगड़ जाता है। समय का बड़ा महत्व होता है। कोई भी कार्य समय आने पर ही पूरा किया जाता है। लेकिन आज सबको जल्दी होती है, जल्दी पैसा कमाने की कोशिश में लगे रहते हैं।

उन्होंने कहा, हर कोई अपने जीवन में कुछ न कुछ नया करने की कोशिश करता है। समय का पहिया भी धीरे चलता है, जिससे कार्य को सही समय आने पर ही सफलता प्राप्त होती है। पैदा होने से लेकर मरने तक का समय पहले से तय होता है। पढ़ाई भी जल्दबाजी से नहीं की जा सकती। उत्तीर्ण होने में समय लगता है। मुनिवर ने कहा, आजकल लोग सामायिक भी मन लगाकर नहीं करते हैं। एकाग्र होकर सामायिक करना सही होता है, जिससे ज्ञान की प्राप्ति होती है। बड़ों के आशीर्वाद से उम्र बढ़ती है। सदा जीवन में माता पिता और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। अपने धर्म के प्रति समर्पण भाव, पूर्ण विश्वास और आस्था रखनी चाहिए। गुरु चाहे कोई भी संप्रदाय का हो उन्हें प्रणाम करना चाहिए। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी उत्सव

बेंगलूरु के बापूजीनगर क्षेत्र के नागरिकों ने अणम्मा देवी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

स्थानकवासी व दिगम्बर सम्प्रदाय के दो संतों का हुआ आत्मीय मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमल मुनिजी कमलेश एवं शांतिनाथ जैन दिगंबर मंदिर में आचार्यश्री गुलाब भूषण जी का आत्मीय मधुर मिलन हुआ। दोनों महापुरुषों ने धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान किया।

इस मौके पर स्थानकवासी जैन संघ के अष्ट दिवसीय पर्युषण पर्व और दिगंबर जैन समाज के 10 लक्षण पर्व को साथ मनाने का दोनों संतों ने निर्णय लिया। श्वेताम्बर पर्युषण पर्व मनाने के लिए आचार्य गुलाब भूषणजी जैन स्थानक भवन आएंगे और दस लक्षण पर्व मनाने के लिए कमलमुनिजी दिगंबर जैन मंदिर जाएंगे। दोनों संतों ने चर्चा में बताया कि धर्म में टकराव का कोई स्थान नहीं होता। टकराव सद्भावना को नष्ट करता है। वह टकराव हिंसा और नफरत की जननी बनता है।

दोनों संतों ने कहा कि जब तक संत मतभेद भूल कर एक मंच पर नहीं आएंगे, तब तक धर्म, अहिंसा की रक्षा नहीं कर पाएंगे। सक्षममुनिजी, घनश्याममुनिजी ने भी चर्चा में भाग लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

बेंगलूरु के आऊवा जैन महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू चंडालिया के नेतृत्व में मंडल की पूरी टीम ने गोडवाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा संचालित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। अध्यक्ष के साथ मंत्री हर्षा चोपड़ा, कोषाध्यक्ष राखी मेहता, सहमंत्री सविता पोरवाल, दुर्गा सुराणा, शारदा पावेचा एवं बिंदु रायसोनी आदि उपस्थित थीं।

अभयदान है दानों में सर्वश्रेष्ठ : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि दान में अभयदान देना सबसे श्रेष्ठ है। सभी जीवों के प्रति करुणा, वात्सल्य, प्रेमभाव होने से कोई किसी का शत्रु नहीं बनता है। मन, वचन, काया के सदभाव से सभी जीवों को भय मुक्ति का संदेश मिलता है। संतश्री ने

अभयदान का महत्त्व बताते हुए एक चोर व राजा की कहानी सुनाई जिसमें राजा द्वारा चोर को सुनाई फांसी की सजा से रानियों ने दयाभाव दिखाकर बचाया और रोजगार दिया।

चोर ने चोरी न करने का संकल्प लेकर हमेशा के लिए चोरी छोड़ दी यानी पापी को उसके पाप की सजा नहीं अपितु सुधरने का मौका देना भी अभयदान है। इसलिए सभी जीवों के प्रति अभयदान का भाव रखें। रवि मुनिजी ने विपाक सूत्र में दुःख विपाक की व्याख्या की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**